डाक पंजीयन क्र. L/ RNP/म.प्र./ मन्दसौर/122/ 2024- 26
ई-पेपर www.guruexpress.live

बात आपकी, शब्द हमारे

गुरु एक्सप्रेस

सुबह का अखबार

संपादक – आशुतोष नवाल

वर्ष 19 | अंक 125 | पृष्ठ 4 | मन्दसौर | सोमवार 17 फरवरी 2025 | मूल्य 2 रुपया

बाइक की टक्कर से बुजुर्ग की मौत

नीमच, 16 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। एक सडक हादसे में 60 वर्षीय बुजुर्ग की मौत हो गई। बघाना थाना क्षेत्र के धनेरियाकला रोड पर शनिवार रात को यह हादसा उस समय हुआ, जब कि शक्ति नगर कॉलोनी निवासी नंदकिशोर सुथार रात का खाना खाने के बाद टहलने निकले थे।

घटना के दौरान एक अज्ञात बाइक सवार ने नंदकिशोर को टक्कर मार दी और मौके से फरार हो गया। स्थानीय लोगों ने गंभीर रूप से घायल बुजुर्ग को तुरंत बडे अस्पताल पहुंचाया। जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। रविवार सुबह परिजनों की मौजूदगी में मृतक का पोस्टमॉर्टम किया गया और शव परिजनों को सौंप दिया गया। पुलिस ने मामले में मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। फरार बाइक सवार की तलाश जारी है।

ठगा रहा लहसुन किसान

एक नंबर क्वालिटी, अच्छी डिमांड, फिर भी नहीं मिल रहे दाम, लापरवाह बने योजना बनाने वाले

मंदसौर, 16 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। लहसुन मसाला फसलों में शामिल है। जिले की लहसुन की बात करें तो विदेशों के कीचन भी मंदसौर की लहसुन से महकते हैं। लेकिन क्वालिटी और डिमांड में एक नंबर होने के बाद भी इसे पैदा करने वाला लहसुन किसान ठगा सा महसूस कर रहा है। यह स्थिति मसाला फसलों को पैदा करने वाले लगभग सभी किसानों की है। इसका कारण है जिम्मेदारों की लापरवाही। दावे और घोषणाएं सिर्फ भाषणों और कागजों तक ही सीमित रह गई है। जिले में सिर्फ लहसुन ही नहीं बल्कि मसाला आधारित सभी फसलों का बंपर उत्पादन किसान करते है। विडबंना यह है कि उचित प्लेटफॉर्म नहीं मिलने के कारण मसाला खेती में किसानों को लाभ भी कम होता है तो नए अवसर भी नहीं मिलते। जिले में सोयाबीन के बाद सबसे अधिक लहसुन की खेती होती है, जो मसाला में आती है। जिसकी ब्रांडिग खुद सरकार ने एक जिला एक उत्पाद में करने के साथ लहसुन आधारित उद्योग लगाने तक का प्रस्ताव तैयार किया था। लेकिन, उस पर भी कदम आगे नहीं बढे। इतना ही नहीं केंद्र के मसाला बोर्ड का दफ्तर तक मंदसौर में खोलने की योजना कागजों में ही कई सालों से चली आ रही है। इसको पूर्व में अस्थायी रुप से खोला था, लेकिन इस स्थायीत्व नहीं मिल पाया है। मसाला बोर्ड का दफ्तर खुलने के साथ मसाले की फसलों की खेती को नए अवसरों की उम्मीद जागी थी। लेकिन, हुआ कुछ नहीं।

दलौदा के किसान रमेश पाटीदार के अनुसार फसल उगाने के साथ मंडियों में बेच रहे है। इनके आधारित उद्योगों के साथ नई यूनिट खुले तो नए अवसर मिले और मसाला बोर्ड का दफ्तर जिसके लिए सालों से कागजों में प्रयास चल रहे है, उसकी शुरुआत के साथ किसानों को नई जानकारी मिल पाएगी।

फिर गिरे दाम...

कृषि उपज मंडी में लहसुन के दामों में भारी गिरावट से किसान चिंतित हैं। पिछले कुछ दिनों में लहसुन के भाव 10 हजार रुपए प्रति क्विंटल से गिरकर 4 से 8 हजार रुपए प्रति क्विंटल तक पहुंच गए हैं। मंडी में किसानों को अपनी उपज बेचने के लिए 2-3 दिन तक इंतजार करना पड रहा है। शनिवार के बाद रविवार को अवकाश रहा। आज सोमवार को कृषि मंडी चालू रहेगी। शनिवार को नगरी से आए किसान प्रभुलाल धाकड ने बताया कि दो दिन की प्रतीक्षा के बाद उन्हें शुक्रवार रात को मंडी में प्रवेश मिला। उन्होंने बताया कि जब वे कतार में थे, तब लहसुन का भाव 10 हजार रुपए प्रति क्विंटल था। लेकिन, अब यही लहसुन 7-8 हजार रुपए में बिक रहा है। किसानों ने 50 हजार रुपए प्रति क्विंटल की दर से बीज खरीदा था, जिससे अब उनकी लागत भी नहीं निकल पा रही है।

बड़ा लहसुन उत्पादक जिला है मंदसौर...

मंदसौर जिला लहसुन उत्पादन का बडा जिला है। इसी कारण प्रदेश के अलावा देशभर व विदेशों तक फॉर्मा कंपनी व मसाला आधारित उद्योग में लहसुन की मांग रहती है। जिले में पैदा होने वाली लहसुन की क्वालिटी को देखते हुए शासन ने लहसुन को एक जिला एक उत्पाद में भी शामिल किया और ब्रांडिग करना तय किया। लेकिन, कागजों से आगे इसके लिए प्रयास नहीं बढे। विधायक विपिन जैन के अनुसार लहसुन की मंडियों में बंपर आवक होती है। इससे ही किसानों की अर्थव्यवस्था और रोजगार का बडा वर्ग भी जुडा हुआ है। उत्पादित जिला होने के बाद भी लहसुन की खेती करने वाले किसानों को उचित प्लेटफॉर्म नहीं मिल रहा है। वर्तमान में दाम भले ही अच्छे है। लेकिन, जिले में लहसुन आधारित उद्योगों की अपार संभावना है।

मसाला फसलों की खेती पर एक नजर

जिंस	हेक्टेयर
लाल मिर्च	792
हरी मिर्च	293
लहसुन	21401
धनिया बीज	34065
मैथी दाने	14708
मैथी पत्ती	30
जीरा	65
सुआ	20
कलौंजी	1672
सरसों	160
अन्य मसालें	36

लहसुन आधारित उद्योगों का दिखाया था सपना, हुआ कुछ नहीं...

कोरोना काल के समय एक जिला एक उत्पाद में लहसुन को लेकर इस पर आधारित उद्योग लगाकर किसानों को आत्मनिर्भर बनाने के साथ लहसुन को उद्योग व रोजगार से जोडने की दिशा में प्रशासन ने प्रस्ताव तैयार किए थे और बसई क्षेत्र में लहसुन की यूनिट स्थापित करने का कहा था। तत्तकालीन कलेक्टर मनोज पुष्प ने इस दिशा में प्रयास भी शुरु किए थे। लेकिन अब तक इसके लिए कुछ हुआ नहीं। आजीविका मिशन में लहसुन आधारित उत्पादन बनाकर महिलाओं के स्वसहायता समूह ने विक्रय शुरु किया। लेकिन लहसुन आधारित उद्योगों का सपना पूरा नहीं हो पाया है।

सलमान लाला को हवाला से पैसा भेजने वाला गिरफ्तार..!

*** दुबई जाने के लिये सलमान ने फर्जी पासपोर्ट भी झाबुआ के थांदला से बनवाया था * मंदसौर के प्रमोद को आज न्यायालय में पेश कर रिमांड लेंगे**

ब्रजेश परमार

उज्जैन, 16 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। मादक पदार्थ के साथ 15 दिन पहले गिरफ्त में आया 2 साल से फरार 60 हजार के इनामी बदमाश सलमान लाला को फरारी के दौरान हवाला के माध्यम से 2 करोड रूपये दुबई पहुंचने वाले साथी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। उसे सोमवार को कोर्ट में पेश कर रिमांड पर लिया जायेगा।

नागदा थाना प्रभारी अमृतलाल गवरी ने बताया कि राजस्थान और मध्यप्रदेश पुलिस का वांटेड नागदा की राजीव कालोनी में रहने वाला सलमान लाला 2 साल से फरार था। उसकी गिरफ्तारी पर 60 हजार का इनाम घोषित किया गया था। 30 जनवरी की रात मादक पदार्थ तस्करी के मामले में पुलिस ने चंबल नदी की पुलिया पर घेराबंदी कर बिना नम्बर की कार को पकडा था। जिसमें फरार इनामी सलमान लाला होना सामने आया था। उसके पास से 25 लाख कीमत की एमडी बरामद हुई थी। पूछताछ में उसने 2 साल तक दुबई में फरारी काटना कबूल किया था और बताया था कि हवाला के माध्यम से रूपये मंगवाकर दुबई में 3 करोड का फ्लैट खरीदा है। दुबई जाने के लिये फर्जी पासपोर्ट भी झाबुआ के थांदला से बनवाया था। पुलिस ने मादक पदार्थ तस्करी का प्रकरण दर्ज कर उसके फरारी के दौरान मदद करने और हवाला के माध्यम से रूपये भेजने वाले की तलाश शुरू की थी। जिसमें रविवार को नागदा-बिरलाग्राम पुलिस ने भद्रकाली मंदिर चौराहा से मंदसौर के रहने वाले प्रमोद पिता शीतलप्रसाद ककनानी 55 वर्ष को गिरफ्तार किया। प्रमोद ने शाहरूख के द्वारा दिये 2 करोड रूपये हवाला के माध्यम से सलमान को दुबई पहुंचाने में मदद की थी। थाना प्रभारी गवरी के अनुसार सोमवार को प्रमोद ककनानी को कोर्ट में पेश कर रिमांड पर लिया जायेगा। फिलहाल उसके पास से एक बेग बरामद किया गया है। जिसमें 10 का आधा नोट फटा हुआ मिला है। वहीं हवाला कारोबार से जुडे ग्रुप मेम्बर्स और कोडिंग शब्दावली में की गई चैटिंग मोबाइल पर मिली है।

कर्मचारियों से मिले डिप्टी सीएम देवड़ा, कहा-मांगों पर करेंगे विचार

भोपाल, 16 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। प्रदेश में शासकीय अधिकारी-कर्मचारी, निगम-मंडल एवं पेंशनर्स संयुक्त मोर्चा ने अपनी लंबित मांगों को लेकर उप मुख्यमंत्री जगदीश देवडा से मुलाकात की। इस दौरान मोर्चा ने 52 सूत्रीय मांगों का ज्ञापन सौंपा, जिस पर विस्तृत चर्चा हुई।

बैठक में संयुक्त मोर्चा का प्रतिनिधिमंडल मौजूद रहा, जिसमें प्रदेश संयोजक प्रमोद तिवारी, प्रदेश अध्यक्ष उदित भदौरिया, कार्यवाहक प्रदेश अध्यक्ष अरुण द्विवेदी और राजपत्रित अधिकारी संघ के प्रदेश अध्यक्ष अशोक शर्मा प्रमुख रूप से शामिल थे। उप मुख्यमंत्री देवडा ने मोर्चा की सभी मांगों को गंभीरता से लेते हुए प्रत्येक बिंदु पर विचार करने का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि सरकार कर्मचारियों की मांगों के प्रति संवेदनशील है और इन पर गंभीरता से विचार किया जाएगा।

राष्ट्रीय स्वयं संघ का उद्देश्य पूरे हिन्दू समाज को एकजुट करना-भागवत

कोलकाता, 16 फरवरी। 10 दिवसीय बंगाल दौरे के दौरान एक जनसभा को संबोधित करते हुए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ प्रमुख मोहन भागवत ने कहा कि हिंदू समाज का मानना है कि एकता में ही विविधता समाहित है।

संघ का उद्देश्य केवल हिन्दू समाज को एकजुट करना है। बर्दवान में स्वयंसेवकों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि आज कोई खास दिन नहीं है, फिर भी कार्यकर्ता इतनी गर्मी में सुबह से बैठे हैं क्यों? संघ क्या करना चाहता है? अगर इस सवाल का एक वाक्य में जवाब देना है तो संघ पूरे हिंदू समाज को एकजुट करना चाहता है। हिंदू समाज को एकजुट क्यों करना है? क्योंकि इस देश के लिए जिम्मेदार समाज हिंदू समाज है जो भारत की एक प्रकृति है और जिन लोगों ने सोचा कि वे उस प्रकृति के साथ नहीं रह सकते, उन्होंने अपना अलग देश बना लियाज् हिंदू दुनिया की विविधता को स्वीकार करके आगे बढते हैं। उन्होंने कहा कि लोगों में एक आदत है कि हम अपना एक सर्कल बनाते हैं और बाकी लोगों को इससे बाहर रखते हैं लेकिन संघ का स्वयंसेवक अपने सर्कल को बढा करता जाता है। संघ के स्वयंसेवक इसका अभ्यास करते हैं। केवल विचारों से यह नहीं होता, वो रोज शाखा में आकर आपस में मेल-मिलाप होता है, मिलकर काम करना होता है। इससे यह विचार मजबूत होता है।

मौसम दे रहा फसलों को तनाव

तापमान बढ़ने से फसलों को लेकर चिंतित किसान

मंदसौर, 16 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। फरवरी के दूसरे पखवाडे के पहले ही दिन गर्मी बढने लगी है। किसानों का कहना है कि बढते तापमान से रबी की फसल प्रभावित हो सकती है। इससे उत्पादन गिर सकता है। जिले में जल्दी बुवाई वाली गेहूं की फसल 100 दिन की होने वाली है। कृषि वैज्ञानिकों का मानना है कि अभी ठंड आएगी, उससे गेहूं की फसल को लाभ होगा। बता दें कि दिन का तापमान पिछले सात दिनों से लगातार बढ रहा है।

जिले में बड़े पैमाने पर रबी फसलों की खेती की जाती है। इसमें गेहूं का रकबा एक लाख 85 हजार हेक्टेयर के करीब है। जिले में गेहूं का उत्पादन भी मौसम के मिजाज पर निर्भर करता है। अच्छी उपज के लिए मौसम का साथ जरूरी है। इस बार महीने की शुरुआत में मौसम अनुकूल रहा। लेकिन, सात दिनों से लगातार तापमान बढ रहा है, इससे किसान चिंतित है। अगर तापमान इसी तरह बढता रहा तो गेहूं का उत्पादन प्रभावित होगा। तापमान बढने से गेहूं की फसल पकना शुरू हो जाएगी। इससे दाना कम पडेगा। वर्तमान में गेहूं बढ रहा है, ऐसे में मौसम गर्म हुआ तो वृद्धि रुक जाएगी। इस कारण उत्पादन

प्रभावित होगा। गेहूं के लिए अधिकतम तापमान 25 से 30 डिग्री के बीच और न्यूनतम तापमान 11 से 12 डिग्री होना चाहिए। कृषि वैज्ञानिकों के अनुसार मौसम अभी ठीक है। इस बार कोहरा व ओस कम गिरी है। किसानों को चिंता करने की आवश्यकता नहीं है। कुछ दिनों में आने वाली ठंड फसल के लिए लाभदायक रहेगी।

फरवरी में ही होने लगा गर्मी का अहसास

चलने लगे पंखे, आज फिर नया सिस्टम होगा एक्टिव

मंदसौर, 16 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। राजस्थान से आ रही गर्म हवा की वजह से शहर के साथ ही अंचल का मौसम बदल गया। दिन भर धूप खिली रही। अधिकतम तापमान 29 डिग्री सेल्सियस पर पहुंच गया। तापमान सामान्य से तीन डिग्री सेल्सियस अधिक होने की वजह से फरवरी में मार्च जैसा अहसास रहा। दोपहर में गर्मी का अहसास हो रहा है तो पंखों का उपयोग भी किया जाने लगा है। अब रात के तापमान में भी बढोतरी आएगी। रात में भी सर्दी विदा होने लगी हैं।

जम्मू कश्मीर में लगातार पश्चिमी विक्षोभ आ रहे है। इससे उत्तरी हवा नहीं चल पा रही है। पश्चिमी हवा की वजह से राजस्थान की गर्मी आ रही है, जिससे दिन व रात का तापमान सामान्य से ऊपर पहुंच गया है। इससे दिन में सर्दी की विदाई हो गई और रात में भी सर्दी घट गई। रविवार को मौसम बदल गया। सुबह से तेज धूप रही। धूप के कारण दिन के तापमान में ढाई डिग्री सेल्सियस का उछाल आया। इस उछाल की वजह से दिन में ठंडक नहीं रही। गर्म कपडे पहनने की जरूरत नहीं पडी। मौसम विभाग ने अगले 24 घंटे में तापमान में बढोतरी के आसार जताए हैं।

इधर मौसम वैज्ञानियों के मुताबिक जम्मू कश्मीर में सोमवार 17 फरवरी को नया पश्चिमी विक्षोभ आ रहा है। इस वजह से अरब सागर से नमी आना शुरू हो गई है। नमी की वजह से हल्के बादल छाएंगे। इससे रात के तापमान में बढोतरी दर्ज होगी। पश्चिमोत्तर भारत में जेट स्ट्रीम हवा भी चल रही है। इस हवा की गति 259 किलोमीटर प्रतिघंटा है। पश्चिमी चलने से सर्दी का अहसास नहीं हो रहा है।

सर्प मित्र को सांप ने काटा, मौत

नीमच, 16 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। महू रोड स्थित हिंगोरिया फाटक के पास एक राजस्थानी ढाबे के अंदर सांप घुसने की सूचना पर एक सर्प मित्र रेस्क्यू करने पहुंचा था। सर्प मित्र ने सर्प को पकडकर एक बैग में डाला था। लेकिन, बैग का मुंह ठीक से बंद करना भूल गया। मौका मिलते ही सांप ने बैग से मुंह निकालकर सर्प मित्र को डस लिया। इसके बाद वह खुद बाइक चलाकर बडे अस्पताल पहुंचा। जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। रविवार को शव का पोस्टमॉर्टम किया गया और शव परिजनों को सौंप दिया गया है। मामले में पुलिस ने मर्ग कायम किया है। दरअसल, सर्प मित्र सुरेश यादव उम्र 44 वर्ष को राजस्थानी ढाबे के अंदर घुसे एक जहरीले सांप का रेस्क्यू करने के लिए बुलाया गया था। जब सुरेश ने... **शेष पेज 4 पर**

परीक्षा- मंदसौर में मध्य प्रदेश लोक सेवा आयोग द्वारा राज्य सेवा प्रारंभिक परीक्षा 2025 रविवार को आयोजित की गई, जिसमें अनेक परीक्षार्थियों ने हिस्सा लिया।

राहुल ने की संगठन में सर्जरी, करना थी दिमाग की, कर डाली दिल की..!

मंदसौर/उज्जैन, 16 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। कांग्रेस की लोकसभा में हार हो या विधानसभा में नतीजे के बाद, हर बार कहा जाता रहा कि अब संगठन पदाधिकारियो में बदलाव किया जाएगा। ऐसा वक्तव्य आने का कारण भी खास रहता था कि हारने वाले अधिकांश प्रत्याशी क्षेत्र से लेकर प्रदेश संगठन पदाधिकारियो की शिकायत करते रहे हैं कि संगठन में बैठे लोगों ने हमारी मदद नहीं करी। या प्रत्याशी के प्रतिस्पर्धियों के साथ रहकर भीतरघात किया, या उपयुक्त कार्यकर्ता को प्रत्याशी बनाने की बजाय अपने चहेते को अथवा पैसे लेकर किसी अन्य को प्रत्याशी बनवाते आए हैं। ऐसी शिकायतों के कुछ बिंदुओं पर राजनीतिक समीक्षकों के अलावा पार्टी के कुछ पदाधिकारी भी सहमत होते आए हैं। जैसे गलत प्रत्याशी का चयन और अपने ही प्रत्याशी को चुनाव के दौरान समय पर मदद नहीं करना। उसके हाल पर छोड देना, मतलब साफ है कि अगर किसी भी विधानसभा या लोकसभा प्रत्याशी जो चुनाव प्रचार में फंसा रहता है। उसके लिए प्रचार प्रबंधन से लेकर पोलिंग बूथ एजेंट बनाने तक अगर सही नेतृत्व या मार्गदर्शन ना मिले तो प्रत्याशी की हार तय हो जाती है फिर भले ही प्रत्याशी कितना भी अच्छा हो।

पिछले डेढ दो दशक से लोकसभा से लेकर प्रत्येक राज्य के विधानसभा चुनाव तक में कांग्रेस प्रत्याशी को सामान्यत: ऐसी समस्याओं से रूबरू होना ही पडता है। खुद चुनाव के क्षेत्र में घूम मतदाताओं से मिले या पोलिंग बूथ का प्रबंध करें। इसके उलट भाजपा में प्रत्याशी का जनसंपर्क कार्यक्रम भी उनके जिला कार्यालय से बनकर आता है और पोलिंग बूथ प्रबंधन से पर्ची बटवाने तक जैसे सभी काम संगठन कार्यकर्ता मशीन की तरह कर डालते हैं।

चन्द्रमोहन भगत

दो दशक पहले राज्यों से हारते हुए एक दशक से लोकसभा में भी करारी हार के बाद अब कांग्रेस संगठन में बदलाव के लिए पदाधिकारियो की सर्जरी की शुरुआत हो चुकी है। अभी कुछ सतह पर नजर आने वाले भाजपा के स्लीपर सेल को ही संगठन से पद मुक्त किया गया है। जबकि, भीतर खाने मजबूती से जमे हुए भी दर्जनों से ज्यादा बचे हुए हैं। जिन्हें राष्ट्रीय स्तर पर पद मुक्त किया गया है उनमें दीपक बावरिया, मोहन प्रकाश उम्रदराज थे, भारत सोलंकी, राजीव शुक्ला, अजय कुमार, देवेंद्र यादव शामिल हैं। इनमें से अजय कुमार और देवेंद्र यादव हाल में खुद अपने चुनाव हार चुके हैं। राजीव शुक्ला राजीव गांधी के समय से कांग्रेस की आड में भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड में जमे हुए हैं। राजनीति उनके लिए दूसरे नंबर पर रही। कभी भी जमीनी चुनाव जीत नहीं पाए हैं। इसके उलट हिमाचल प्रभारी रहते क्रिकेट संगठन के अपने भाजपाई मित्रों को जीताने के लिए खुलेआम मदद भी करते आए हैं। गुजरात के दीपक बावरिया पहले मध्य प्रदेश प्रभारी थे, यहां से कांग्रेस साफ हुई और हाल में हरियाणा प्रभारी थे। जहां 12 सालों से जिला कांग्रेस कार्यकारिणीयां घोषित न कर पाना, जीता चुनाव हारने का कारण बना है।

इसी तरह के प्रभारी में रणदीप सुरजेवाला जो विधानसभा चुनाव में अपनी जमानत ही नहीं बचा पाते हैं पर प्रदेशों के प्रभारी बनाए जाते रहे हैं। अभी बचे हुए हैं, जबकि महाराष्ट्र के नाना पटोले को हटाकर हर्षवर्धन सबकार को प्रदेश अध्यक्ष बनाया गया है। इधर गुजरात में निष्क्रीय और प्रवासी कांग्रेसी कहलाने वाले शक्ति सिंह गोहिल अभी तक प्रदेश संभाल रहे हैं। कुल मिलाकर समीक्षकों की नजर में भी हाल में कांग्रेस संगठन में जो बदलाव हुए हैं, इसे राहुल की सर्जरी कहा जा रहा है। जिसे शुरू दिमाग से करना था ताकि सोच विचार कर सही निर्णय लेने वाला संगठन बने पर दिल से शुरू की है। यानी कांग्रेस में अभी भी कांक्रीट सुधार होना बाकी है। जैसे केंद्रीय कार्यालय में जमे हुए भाजपाइ स्लीपर सेलों की सर्जरी बाकी है, जिनके हाथों में अभी भी केंद्र से लेकर राज्यों के संगठन की नब्ज है।

विचार-मंथन

फ्रांस यात्रा से व्यापार संबंध और मजबूत होने की उम्मीद

भारत फ्रांस के करीबी साझेदारों में से एक है। दोनों देशों के बीच परस्पर सम्मान और विश्वास का रिश्ता रहा है। चीन के बरक्स भारत की क्षमता बढ़ाने में सहयोग का मसला हो या सुरक्षा परिषद में स्थायी सदस्यता के लिए दावा, फ्रांस ने हर बड़े मौके पर भारत का साथ दिया है। दुनिया में तेजी से उभरती ताकत के रूप में भारत की संभावनाओं को फ्रांस पहले ही भांप चुका है। हाल के वर्षों में अंतरिक्ष अनुसंधान से लेकर पनडुब्बी बनाने में सहयोग कर उसने साबित कर दिया कि वह भारत का न केवल भरोसेमंद बल्कि सबसे बड़ा रणनीतिक सहयोगी है। भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों की परस्पर निकटता का प्रमाण कई बार मिल चुका है। इस बार दोनों देशों ने आधुनिक परमाणु संयंत्रों को संयुक्त रूप से विकसित करने का संकल्प किया है। फ्रांस के मारसेई में एक आशय पत्र पर दस्तखत के बाद दोनों देशों ने स्पष्ट कर दिया है कि ऊर्जा सुरक्षा और कम कार्बन वाली अर्थव्यवस्था के लिए परमाणु ऊर्जा अहम है। इस लिहाज से देखें, तो परमाणु ऊर्जा के शांतिपूर्ण उपयोग की दिशा में यह महत्वपूर्ण कदम है। फ्रांस न केवल अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारत का साथ देता रहा है, बल्कि रणनीतिक साझेदारी निभाते हुए आर्थिक संबंध मजबूत करने की दिशा में भी सहयोग करता रहा है। नतीजा यह कि वर्ष 2022-23 में दोनों देशों के बीच कारोबार उन्नीस अरब डालर तक पहुंच गया था। इससे पहले वर्ष 2000 से 2024 के मध्य फ्रांस से कोई दस अरब डालर से अधिक का प्रत्यक्ष विदेशी निवेश आया था। इस बार की प्रधानमंत्री की फ्रांस यात्रा के दौरान भी व्यापार और निवेश बढ़ाने पर दोनों देशों ने जोर दिया है। इससे व्यापार संबंध और मजबूत होने की उम्मीद बंधी है। इसके अलावा दोनों देश जलवायु संकट से निपटने की दिशा में भी एक मंच पर काम कर रहे हैं। इसके लिए भारत और फ्रांस ने 'इंटरनेशनल सोलर अलायंस' का गठन किया, जिसमें सौ से अधिक देश शामिल किए गए थे। भारत-फ्रांस के शीर्ष नेताओं ने असैन्य परमाणु ऊर्जा, अंतरिक्ष और रक्षा क्षेत्र में जिस तरह इस बार परस्पर सहयोग की गंभीरता से समीक्षा की है, इससे लगता है कि इसके दूरगामी और सकारात्मक परिणाम निकलेंगे। दोनों देशों ने रणनीतिक साझेदारी के लिए प्रतिबद्धता जता कर साफ कर दिया है कि उनके संबंध बहुआयामी हैं। इस तरह दोनों ने दोस्ती को एक नया आयाम ही दिया है। उम्मीद यह भी है कि कृत्रिम मेधा से लेकर प्रौद्योगिकी और नवाचार की दिशा में सहयोग और मजबूत होगा। दस अहम समझौते के बाद फ्रांस एक बार फिर सच्चे दोस्त के रूप में सामने आया है। इन समझौतों के बाद दोनों देशों के बीच संबंध और गहरे होंगे। परमाणु ऊर्जा क्षेत्र में असैन्य सहयोग भी मील का पत्थर साबित होगा। कृत्रिम मेधा और नवाचार की दिशा में भारत और फ्रांस ने एक बड़ा लक्ष्य तय किया है। सुरक्षित और विश्वसनीय कृत्रिम मेधा के विकास के लिए दोनों देश अब साझा रूप से काम करेंगे। यह विकसित प्रौद्योगिकी वैश्विक हितों के लिए काम करेगी। कुल मिला कर देखें, तो भारत और फ्रांस के बीच प्रगाढ़ होते संबंध चीन और अमेरिका को संदेश देने का भी प्रयास है। एक न्यायसंगत व शांतिपूर्ण अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था कायम करने के लिए भारत ने फ्रांस से हाथ मिलाया है। सहयोग का यह मार्ग लंबा है, दोनों मित्रता निभाते हुए आगे बढ़ेंगे।

मोदी मंत्र से दिल्ली के अभेद्य दुर्ग को आखिरकार जीत ही गयी भाजपा

दीपक कुमार त्यागी

वैसे देखा जाए तो वर्ष 2014 के बाद से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने चुनाव दर चुनाव गैर भाजपाई सरकार वाले राज्यों में भाजपा की पताका को लहराने का कार्य बखूबी किया है, लेकिन भाजपा देश के दिल दिल्ली को जीतने में बार-बार प्रयास के बावजूद भी विफल हो रही थी, लाख प्रयास के बावजूद भी दिल्ली की चुनावी रणभूमि में भाजपा का शीर्ष नेतृत्व अरविंद केजरीवाल की कोई ठोस काट धरातल पर नहीं ढूंढ पा रहा था। वर्ष 2014 से ही केंद्र की सत्ता पर काबिज होने बावजूद भी दिल्ली की जनता बार-बार भाजपा को नकारने का कार्य कर रही थी, जो स्थिति भाजपा के शीर्ष नेतृत्व को बहुत ज्यादा असहज करने वाली थी। चुनाव दर चुनाव भाजपा का शीर्ष नेतृत्व दिल्ली में अरविंद केजरीवाल सरकार का कोई तोड़ नहीं निकाल पा रहा था। भाजपा का शीर्ष नेतृत्व दिल्ली की सत्ता हासिल करने के लिए लगातार आत्ममंथन कर रहा था कि आखिरकार बार-बार कसर कहां पर रह जाती है, किसी कारण से दिल्ली का मतदाता लोकसभा चुनावों में भाजपा को गले लगा लेता है लेकिन वह विधानसभा चुनावों में दुत्कार देता है। दिल्ली के मसले पर देश के राजनीतिक गलियारों में भी केजरीवाल की सफलता का उदाहरण दिया जाने लगा था कि किस तरह से बहुत ही कम समय में वह दिल्ली के मतदाताओं के दिलों पर छा गए थे और फिर वर्ष 2013, वर्ष 2015 और 2020 में उन्होंने आम आदमी पार्टी की दिल्ली में सरकार बनाने का कार्य किया था। लेकिन इस बार दिल्ली के विधानसभा चुनावों में मोदी मंत्र ने स्थिति को बदलने का कार्य कर दिया है। मतदाताओं ने दिल खोलकर के भारतीय जनता पार्टी की झोली भरने का कार्य किया कर दिया है, मोदी के चहरे के दम पर ही दिल्ली विधानसभा चुनावों में 48 सीट जीतकर के 27 वर्षों के बाद सत्ता पर काबिज होने का भाजपा को अवसर मिला है। हालांकि राजनीतिक विश्लेषकों के बहुत बड़े वर्ग का मानना है कि भारतीय राजनीति में जब अरविंद केजरीवाल का पदार्पण हुआ था तो उस वक्त केजरीवाल ने दिल्ली व देश की जनता को संदेश दिया था कि वह ईमानदारी के साथ देश के विकास के लिए बिना किसी पूर्वाग्रह से पीड़ित हुए स्वच्छ गांधीवादी राजनीति करेंगे। उस वक्त केजरीवाल ने लोगों को बहुत-बहुत बड़े सपने दिखाए थे, राजनीतिक जीवन के लिए उच्च श्रेणी के मानदंड रखने का कार्य किया था, लेकिन जैसे ही वर्ष 2013 में केजरीवाल के हाथ दिल्ली की सत्ता आयी वह राजनीति में शुचिता लाने की बाद एक-एक करके भूलने लग गये थे। केजरीवाल ने गाड़ी, बंगाल और सुरक्षा पर बनाये गये अपने ही सिद्धांतों को सबसे पहले तिलांजलि देने का कार्य किया था, फिर केजरीवाल ने धीरे-धीरे दिल्लीवासियों को फ्री सुविधा देने का लालच देना शुरू किया और लगातार तीन बार मुख्यमंत्री बनकर के दिल्ली की सत्ता का जमकर के आनंद लिया। लेकिन इस बार वह अपने द्वारा बनाए सिद्धांतों के इसी चक्रव्यूह में बुरी तरह से फँस गए थे, क्योंकि राजनीति के लिए केजरीवाल के खुद के द्वारा तय किए गए सभी मापदंड उनके ही हाथों पूरी तरह से ध्वस्त कर दिये गये थे। दिल्ली के मतदाताओं को केजरीवाल की कथनी व करनी में स्पष्ट अंतर नजर आने लग गया था। दिल्ली के वासियों ने करीब से देखा कि ईमानदारी, सुचिता व जमीन पर रहकर के आम आदमी से जुड़े रहने की राजनीति के सिद्धांतों पर केजरीवाल एंड कंपनी केवल फाइलों के भीतर ही अमल कर रही है, केजरीवाल का एक-एक करके साथ छोड़ते पुराने साथी पार्टी के भीतर लोकतंत्र के हाल पर जनता के बीच जाकर के गवाही दे रहे हैं, जिसका पूरा लाभ टीम मोदी ने इस बार के विधानसभा चुनावों में लिया और केजरीवाल को दिल्ली की सत्ता से बेदखल करने का काम कर दिया। जिस तरह से देश के दिल राजधानी दिल्ली की चुनावी रणभूमि में नरेन्द्र मोदी सेना ने जबरदस्त ढंग से हमलावर होकर के केजरीवाल की सेना को करारी हार देकर के प्रचंड विजय हासिल की है, वह आगामी कई दशकों तक देश की चुनावी राजनीति में एक नज़ीर बन गई है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के हमलों के आगे टीम अरविंद केजरीवाल के सामने दिल्ली की चुनावी रणभूमि में लड़ना इस बार बेहद ही कठिन कार्य था, लेकिन फिर भी अरविंद केजरीवाल की दिल्ली के मतदाताओं के लिए फ्री बांटों की रणनीति की काट ढूंढना देश के भोले-भाले आम जनमानस को असंभव लगता था, क्योंकि केजरीवाल ना सिर्फ चुनावी रणभूमि में मतदाताओं से तरह-तरह के लोकलुभावन वादे ही कर रहे थे, बल्कि वह पहले से ही बहुत सारी फ्री की रेवड़ियां बांटने की घोषणाओं पर धरातल पर अमल भी कर रहे थे। ऐसी स्थिति में दिल्ली में भाजपा को पुनर्जीवित करना आसान कार्य नहीं था, क्योंकि देश की राजनीति में रुचि रखने वाले लोगों के एक बहुत बड़े वर्ग को केजरीवाल के पक्ष में रहने वाले मतदाताओं को तोड़कर के भाजपा के पक्ष में लाना असंभव कार्य लगता था। लेकिन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जादुई व्यक्तित्व व ओजस्वी विचारों ने इस कार्य को कर दिखाया, मोदी ने दिल्ली की चुनावी रणभूमि में आम आदमी पार्टी को हराते हुए भाजपा को पुनर्जीवित करने के लिए जीवन देने वाली कारगर संजीवनी बूटी बनने का कार्य बखूबी कर दिया। दिल्ली की चुनावी रणभूमि में अरविंद केजरीवाल की हार की सबसे बड़ी वजह रही है कि केजरीवाल के खिलाफ नरेन्द्र मोदी का खुद चेहरा बनना। वहीं रही-सही कसर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के द्वारा केजरीवाल सरकार के शराब घोटाला व भ्रष्टाचार आदि के मुद्दों को उठाने ने पूरी कर दी थी। मोदी ने दिल्ली की जनता को समझाया कि आप सरकार दिल्ली के वासियों के लिए आप दा बन चुकी है, भ्रष्टाचार के मामलों के चलते केजरीवाल कुल 177 दिन तक जेल में बंद रहे थे, जिसके चलते ही मोदी ने केजरीवाल को बार-बार कट्टर बेईमान कहा था। कभी बंगला, गाड़ी व सुरक्षा ना लेने की कसम लेने वाले केजरीवाल के सरकारी बंगले शीशमहल पर 45 करोड़ की भारी-भरकम धनराशि खर्च करके मोदी को एक और चुनावी मुद्दा स्वयं ही दे दिया था, जिसको मोदी व उनकी टीम ने बड़ा मुद्दा बनाया और चुनाव के पहले इसे शीशमहल कहकर इसको आम जनमानस के बीच जमकर के प्रचारित करने का कार्य बखूबी करके केजरीवाल की छवि को जनता की अदालत में बट्टा लगाने का कार्य सफलतापूर्वक कर दिया था, मोदी ने पूरे चुनाव इस मुद्दे को लेकर के केजरीवाल पर जमकर हमला बोला था। वहीं प्रधानमंत्री मोदी ने केजरीवाल की फ्री बांटों की काट ढूंढते हुए दिल्ली में मतदान से 3 दिन पहले केंद्रीय बजट में 12 लाख तक के इनकम टैक्स को फ्री करने का बड़ा दांव चल कर केजरीवाल की थोक में वोट काटने का काम कर दिया था, क्योंकि दिल्ली में 67 फीसदी आबादी मध्यमवर्गीय है, जोकि आम आदमी पार्टी को एकतरफा वोट देने का कार्य कर रही थी।

हर मौसम में दिख जाती है गरीबी और अमीरी

महेश परीमल

समूचे उत्तर भारत में ठंड से लोग ठिठुरते-सिकुड़ते रहे। इस मौसम में इसी के साथ सिमट जाती है पूरी जिंदगी। इस तरह की जिंदगी में ठंड लोगों को कुछ और करीब ला देती है। इन दिनों एक तरह का समाजवाद दिखता है, क्योंकि यह सभी को एक ही तरह से लगती है। लिहाफ ओढ़े व्यक्ति और मां के आंचल को ओढ़ते हुए मासूम की ठंड में कोई फर्क नहीं होता। कोई यह नहीं कह सकता है कि यह अमीरों की ठंड है, यह गरीबों की। सभी को समान भाव से अपने होने का अहसास कराती है यह ठंड। हां, इससे बचाव के साधनों की उपलब्धता के आधार पर इसे कम या ज्यादा असर वाला जरूर कहा जा सकता है। ठंड की तीव्रता और मार को लोग भले ही वैश्विक तापमान में उथल-पुथल का असर कहें, पर वास्तविकता यह है कि हमारे भीतर की ठंड लगातार विचलित हो रही है, हमारी संवेदनाओं की तरह। जब भी ठंड लगती है, तो हम केवल खुद को ही देखते हैं। यह भूल जाते हैं कि हमारे आसपास ऐसे कई लोग हैं, जिन्हें ठंड का अहसास होता है। पर अपनी ठंड को हम बहुत बड़ा मानते हुए उसे दूर करने की कोशिश करने लगते हैं। इस बार भी हाड़ कंपा देने वाली ठंड ने लुका-छिपी का खेल किया। ठंड के कई रूप हैं। भीतर तक सिहराती और बाहर तक अलसाती ठंड। इस बार भी जब ठंड की शुरुआत हुई थी, तो गरीबी के चक्र में पिसते व्यक्ति ने अपनी पत्नी की ओर लाचारगी भरी नजरों से देखा होगा, क्योंकि वह पिछले साल की तरह इस साल भी रजाई बनवाने का वादा पूरा नहीं कर पाया। उसकी पत्नी ने फिर से पुराने संदूक से गरम कपड़े बाहर निकाल लिए होंगे और बैठ गई होगी सूई-धागा लेकर, उसकी मरम्मत करने। उसके चेहरे पर उदासी होगी और गुस्सा भी। इसी क्रम में सूई कई बार अंगुलियों के पोरों पर चुभती रही होगी। आखिर बेमन से ही सही, गरम कपड़ों और फटी कथरी को दुरुस्त कर उसने हताश बैठे पति को दिलासा दिया होगा और इस तरह मन की पीड़ा और ठंड की मार को कम करने की कोशिश हुई होगी। नहीं पता कि अगले मौसम में भी रजाई बनेगी या नहीं! एक गरीब की झोपड़ी में ठंड का प्रवेश इसी तरह होता है। गरीबों के लिए ठंड के यही मायने हैं। सर्दियों के साथ बारिश, वसंत, गरमी- हर ऋतु जहां संपन्न वर्ग के लिए मौसम का मजा उठाने का एक बहाना होता है, वहीं गरीबों के लिए यह मुसीबत का एक और कारण है। यह छिपा नहीं है कि ठंड और बारिश के साथ ही संपन्न तबके के लोग अपनी-अपनी सुविधाओं और सुकून का प्रदर्शन करने लगते हैं। कुछ लोग ठंड में गरम-गरम पकौड़े खाने और रजाई में बैठ कर चाय की चुस्कियों की तस्वीरें सबको दिखाते हैं, तो कोई बारिश में मौसम से मिलने वाले सुकून के अहसासों को साझा करते हैं, लेकिन ऐसे लोगों के मन को राहत देने वाला यही मौसम वंचितों और गरीबों के लिए इतना सुकूनदेह नहीं होता। फुटपाथ पर हजारों बच्चे हर साल किसी तरह अपने हिस्से की ठंड काट लेते हैं। ठंड से बचने के लिए मां के आंचल का भी सहारा होता है। प्रेमचंद की कहानी 'पूस की रात' में हल्कू एक कुत्ते के सहारे ही रात काट लेता है। ऐसे कई हल्कू हमारे आसपास ही हैं। जब ये पूरी शिद्दत के साथ ठंड का सामना करने निकलते हैं, तो ठंड भी एक बार इनकी हिम्मत के आगे सिहर उठती है। ऐसे लोगों का दिन तो किसी तरह निकल जाता है, लेकिन कभी इन्हें रात गुजारते देखा है किसी ने? हमारे बुजुर्ग अक्सर कहा करते थे कि जब हमें हमारा दुख बहुत बड़ा लगने लगे, तब हमें उन लोगों की तरफ देख लेना चाहिए, जिनके दुख हमसे भी बड़े हैं। ठंड एक अहसास है, जिसे जितना अधिक महसूस किया जाए, वह उतने ही करीब आएगी। ठंड में अगर हम गर्मी को याद करें, तो सर्दी और गर्मी के इस झगड़े में रात कट जाएगी। सुबह फिर वही जिंदगी मुस्कराती हुई सामने खड़ी होगी। ठंड का स्वभाव बड़ा जिद्दी है। इसे जितना दूर भगाया जाए, उतना ही करीब आती है। अगर इसके सामने सीना तान कर खड़े हो जाया जाए, तो यह ठहर जाती है। थोड़ी ठिठक जाती है। इससे इतर सबसे अधिक महत्त्वपूर्ण है हमारे भीतर की सिकुड़ती संकीर्ण मानसिकता, जो हमें यह अहसास ही नहीं कराना चाहती कि सर्दी जानलेवा भी हो सकती है।

प्रतिस्पर्धा नहीं बालमन को चाहिए मोटिवेशन

आज बच्चों को खुला आसमान चाहिए। जहां वह अपनी क्षमता का बेहतर प्रदर्शन कर सकें। मोदी जी ने बच्चों को मोटिवेट करते हुए कहा है कि विफलताओं से निराश नहीं होकर उससे सबक लेना चाहिए। जीवन में सफल होने के लिए बहुत कुछ होता है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने एक बार फिर परीक्षाओं से पहले देश के परीक्षार्थी बच्चों, अध्यापकों और अभिभावकों से मन की बात के माध्यम से संवाद कायम कर मोटिवेट करने की बड़ी पहल की है। मन की बात में परीक्षा पर चर्चा के आठवें संस्करण का महत्व इसलिए महत्वपूर्ण और सामयिक हो जाता है कि आने वाले दिनों में सीबीएसई और राज्यों के बोर्डों की परीक्षाएं होने जा रही है। देश के प्रधानमंत्री की संपूर्ण परीक्षा व्यवस्था और इसके साइड इफेक्ट को समझते हुए संवाद कायम करना अपने आप में महत्व रखता है। देश के लगभग सभी कोनों से तनाव, शिक्षकों और अभिभावकों की अतिमहत्वाकांक्षा के चलते बच्चों द्वारा डिप्रेशन में जाने और अपनी जीवन लीला समाप्त करने के समाचार आम होते जा रहे हैं। हांलाकि शिक्षा नगरी कोटा बच्चों की आत्महत्या के लिए बदनाम हो गया है पर कोटा से अधिक आत्महत्याएं देश के अन्य हिस्सों में भी हो रही है। हांलाकि कोचिंग हब कोटा को आत्महत्याओं के दाग को धोने के लिए सार्थक प्रयास करने होंगे। खैर यह विषयांतर होगा। खास बात यह है कि प्रधानमंत्री मोदी ने एक जिम्मेदार अभिभावक की भूमिका निभाते हुये ना केवल परीक्षार्थियों की हौसला अफजाई की है अपितु अध्यापकों और पैरेंट्स को भी स्पष्ट संदेश दिया है। इसमें कोई दो राय नहीं होनी चाहिए कि बच्चों के कोमल मन को प्रतिस्पर्धा के बोझ तले दबाने में आज घर, परिवार, समाज, शिक्षा केन्द्र और सोशियल मीडिया प्रमुखता से नकारात्मक भूमिका निभा रहे हैं। पता नहीं शिक्षा व्यवस्था में भी यह किस तरह का बदलाव है कि 20-21 वीं सदी में दसवीं पास करना बड़ी बात माना जाता था तो परीक्षा देने वाले लाखों बच्चों में से फर्स्ट डिविजन कुछ हजार तक ही रहते थे उसके बाद लगभग दोगुणे द्वितीय श्रेणी में व बाकी तीसरी डिविजन में संतोष कर लेते थे। आज हालात यह है कि परीक्षा देने वाले अधिकांश बच्चों के मार्क्स तो 90 प्रतिशत या इससे अधिक ही होते हैं। 80 से 90 प्रतिशत तक उससे कम और पर उनसे भी कम बच्चें इससे कम प्रतिशत में होते हैं। यहां सवाल परीक्षा प्रणाली को लेकर हो जाता है तो दूसरी और प्रतिस्पर्धा की यह खिचड़ी 90 प्रतिशत से अधिक अंक लाने वाले बच्चों और खासतौर से उनके पैरेंटस में होने लगी है। अब तो हो यह गया है कि पैरेंट्स की प्रतिष्ठा के लिए बच्चों की बली चढ़ाई जाने लगी है। प्रधानमंत्री मोदी ने सही ही कहा है कि कूकर के प्रेशर की तरह बच्चों को प्रेशर में रखना ही अभिभावकों और शिक्षकों की भूमिका में आ गया है। अब अभिभावक दिशा देने वाले के स्थान पर अपनी कुंठा को बच्चों से पूरा कराने में जुटे हैं। यह वास्तविकता है। बच्चें की लगन किसी और दिशा में होती है और उससे अपेक्षा कुछ और करने या बनाने की होने लगती है। कुछ बच्चों का कोमल मन यह प्रेशर सहन नहीं कर पाता है और डिप्रेशन या मौत को गले लगा लेते हैं और फिर पैरेंट्स आंसू पूछते रह जाते हैं। परीक्षा पर चर्चा की अच्छी बात यह है कि देश के 3.30 करोड़ बच्चों, 20 लाख शिक्षकों और साढ़े पांच लाख से अधिक अभिभावक इससे जुड़े। मोदी जी ने बच्चों को मोटिवेट करते हुए क्रिकेट का उदाहरण देते हुए बैटिंग करने वाले खिलाड़ी की भूमिका निभाने का संदेश दिया तो टाइम मैनेजमेंट पर फोकस करने, लिखने की आदत डालने, खुल कर अपनी बात कहने, मन को शांत रखने, केवल किताबी कीड़ा नहीं बनने, रोबोट नहीं इंसान बनने और पूरी नींद लेने के लिए मोटिवेट किया।

आज का राशिफल

मेष

वृषभ

मिथुन

कर्क

सिंह

कन्या

तुला

वृश्चिक

धनु

मकर

कुंभ

मीन

देश के नवनिर्माण में सहभागी बने युवा-मंत्री सारंग

युवाओं के लिये उद्यमिता पूर्व परामर्श कार्यशाला सम्पन्न

मंदसौर, 16 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। खेल एवं युवा कल्याण मंत्री श्री विश्वास कैलाश सारंग ने कहा है कि युवा देश की पूंजी है, वह देश के नवनिर्माण में सहभागी बने। युवा केवल अपने लिये नहीं, परिवार के लिए नहीं राष्ट्र और समाज के लिये कार्य करें। मंत्री श्री सारंग शनिवार को ब्रिज युवा कल्याण मंत्रालय के तत्वावधान में कुशाभाऊ ठाकरे इंटरनेशल कान्वेशन हॉल में पूर्व परामर्श युवाओं के लिये उद्यमिता कार्यशाला को संबोधित कर रहे थे।

मंत्री श्री सारंग ने कहा कि जब अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर टेक्नोलॉजी की बात होती है तो भारत देश उसमें सबसे पहले आता है। चाहे वह पर्यावरण संरक्षण हो या दुनिया की अर्थ-व्यवस्था या फिर दुनिया भर में शांति आंदोलन, सब में भारत के प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का महत्व देखा जा सकता है। उनके नेतृत्व में देश तेजी से आगे बढ़ रहा है। आज का युवा उसमें सहभागी बने और देश के नवनिर्माण में सार्थक आहूति दे। युवाओं की सहभागिता से विकसित और शक्तिशाली देश का निर्माण होगा। मंत्री श्री सारंग ने युवा विकास, सहकारी पहल और उद्यमिता को बढ़ावा देने अपना दृष्टिकोण युवाओं को बताया। मानसरोवर ग्लोबल यूनिवर्सिटी, जीसीटीसी (नॉलेज पार्टनर) के सहयोग से इस कार्यक्रम में उभरते स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र पर नीति निर्माताओं और उद्योग विशेषज्ञों के साथ पैनल चर्चा हुई। स्टार्ट-अप शोकेस में एग्रीटेक, फिनटेक, ग्रीन एनर्जी, एआई और ई-कॉमर्स में नवाचारों को प्रदर्शित किया गया। उभरते उद्योगों में चुनौतियों और अवसरों पर युवा उद्यमियों के साथ इंटरैक्टिव सत्र हुआ। विचार-आधारित प्रतियोगिता जिसमें चयनित छात्रों ने एक प्रतिष्ठित पैनल के समक्ष अपनी व्यावसायिक अवधारणाएं प्रस्तुत की। युवा मामले विभाग, युवा मामले एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार, युवा उद्यमियों को सशक्त बनाने तथा नवाचार और नीति विकास पर सार्थक चर्चा को बढ़ावा देने के लिए एक राष्ट्रीय पहल के हिस्से के रूप में उद्यमिता पूर्व-परामर्श कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के अंत में श्री अनूप कृष्णन ने आभार माना।

थारो म्हारो प्रेम का मुहूर्त शॉट देव डूंगरी माताजी प्रांगण पर सम्पन्न

मालवी के लिए समर्पित, निष्ठा और समर्पण से कार्य करने वाले हुए सम्मानित

मंदसौर, 16 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। थारो म्हारो प्रेम का मुहूर्त शॉट देव डूंगरी माताजी प्रांगण पर सम्पन्न हुआ। मालवी के लिए समर्पित और निष्ठा से समर्पण से कार्य करने वालों का सम्मान भी किया गया।

आरम्भ ने अतिथियों ने माता देव डूंगरी की तस्वीर पर माल्यार्पण किया। मुहूर्त शॉट पर सांसद सुधीर गुप्ता और भाजपा प्रदेश प्रवक्ता यशपाल सिंह सिसोदिया तथा मंचासीन अतिथियों ने क्लेप करके जैसे ही लाइट कैमरा एक्शन कहा सदन ने तालियों के शोर से उत्साह से पूर्ण समर्थन और विश्वास से फिल्म निर्माण के लिए शुभकामनाएं प्रदान की गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे सांसद सुधीर गुप्ता ने कहा मालवी से मेरा नाता बहुत पुराना है।इस क्षेत्र में यह प्रयास निश्चित रूप से नींव का पत्थर साबित होगा। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रदेश प्रवक्ता यशपाल सिंह सिसोदिया ने कहा कि राजेंद्र राठौर की यह सबसे महत्वपूर्ण बात है जो मुझे बहुत पसंद आई की इसमें 50 प्रतिशत स्थानीय कलाकारों को कार्य करने का मौका भी मिलेगा और उन्हें बॉलीवुड में स्थापित कलाकारों के साथ काम करके अनुभव भी प्राप्त होगा। मंचासीन अतिथियों में नगरपालिका परिषद अध्यक्ष रमादेवी गुर्जर, पूर्व जिला अध्यक्ष वरिष्ठ भाजपा नेता मदनलाल राठौर, भाजपा जिला उपाध्यक्ष शिवराज सिंह राणा, धर्मराजेश्वर के पंडित जगदीश व्यास, डीएफओ संजय सर, भाजपा युवा मोर्चा महा मंत्री बंटी चौहान, सांसद प्रतिनिधि बंशी राठौर, देव डूंगरी माताजी मंदिर समिति कोषाध्यक्ष, जगदीश बैरागी भाजपा जिला कार्य करणी सदस्य, बंशी धनगर, महेश राठौर देव डूंगरी माताजी मंदिर समिति अध्यक्ष, संजय राठौर, राज कुमार राठौर समाज अध्यक्ष, रामेश्वर जाट पटेल, श्री दुबे ,सुभाषचंद्र त्रिपाठी, दिलीप त्रिपाठी, ,गौरव अग्रवाल, विजय सुराणा, दिनेश जाट सरपंच विनोद धनगर मुकेश धनगर शंकर इंदौरा रामेश्वर सोलंकी बसंती संजय राठौर कान्हा बैरागी उपस्थित रहे।

एक्यूप्रेशर एवं आयुर्वेद चिकित्सा जांच शिविर कल

मंदसौर, 16 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। दिनांक 18 फरवरी, मंगलवार को एक्यूप्रेशर एवं आयुर्वेदिक चिकित्सा जांच शिविर मधुसूदन आर्य कार्यालय यूटीआई पैन सर्विस सेंटर, 46 गौतम नगर रोड नंबर 1 कालाखेत मंदसौर पर आयोजित होगा इस शिविर में वैद्य ओमप्रकाश देवासी व थैरेपिस्ट अर्जुन कटारिया (एमडी एक्यू.) अपनी सेवाएं देंगे। 18 फरवरी को यह शिविर प्रात: 10 से सायं 5 बजे तक आयोजित होगा।

उक्त जानकारी देते हुए मधुसूदन आर्य ने बताया कि इस शिविर मेंक्रांटम बॉडी एनालाइजर जापानी मशीन से पूरे शरीर की जांच करके इन सभी बीमारियों का जैसे दमा बीपी शुगर थायराइड माइग्रेन सफेद पानी वजन का घटना व बढ़ाना शीघ्रपतन स्वप्नदोष बालों का झड़ना चर्म रोग चेहरे पर कील मुंहासे मासिक धर्म की अनियमितता बांझपन आदि सभी बीमारियों का सफलतापूर्वक इलाज किया जाएगा। निराशा रोगी एक बार अवश्य मिले। शिविर में लाभ लेने के इच्छूक अधिक जानकारी के लिये मो.नं. 8003708162 पर सम्पर्क कर सकते है।

एनपीएस में गुमशुदा कटौत्रों के निराकरण हेतु विशेष शिविर प्रारम्भ

नीमच, 16 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। पेंशन भविष्य निधि एवं बीमा संचालनालय भोपाल द्वारा एनपीएस योजनांतर्गत गुमशुदा कटौत्रियों के निराकरण हेतु विशेष अभियान 16 फरवरी से 28 फरवरी तक चलाया रहा है। एनपीएस योजना अंतर्गत गुमशुदा कटौत्रे दो कारणों से हैं - पहला मैन्युअली देयकों से वेतन आहरण एवं प्रतिनियुक्ति पर पदस्थ अधिकारी/कर्मचारियों के अंशदान को चालान से जमा करना है। वरिष्ठ जिला कोषालय नीमच अधिकारी श्री बृजमोहन सुरावत ने बताया कि विशेष अभियान के तहत ऐसे समस्त अधिकारी-कर्मचारी जिनके एनपीएस अंतर्गत गुमशुदा कटौत्रे हैं, वे अपने आहरण संवितरण अधिकारी से संपर्क कर गुमशुदा कटौत्रों का निराकरण करा सकते हैं। शिविर के दौरान वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा गुमशुदा कटौत्रों की समस्याओं के निराकरण के लिये कार्य किया जायेगा।

समर्थन मूल्य पर गेहू उपार्जन हेतु कृषक पंजीयन 31 मार्च तक करें

मंदसौर, 16 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। जिला आपूर्ति अधिकारी द्वारा बताया गया कि रबी विपणन वर्ष 2025-26 में समर्थन मूल्य पर गेहू उपार्जन हेतु कृषक पंजीयन 20 जनवरी 2025 से 31 मार्च 2025 तक करा सकते है। जिले में रबी विपणन वर्ष 2025-26 में समर्थन मूल्य पर गेहू उपार्जन हेतु जिले में 77 पात्र संस्थाओं को पंजीयन केन्द्रो निर्धारण किया गया है। रबी विपणन वर्ष 2025-26 में गेहूं का समर्थन मूल्य रूपये 2425/- निर्धारित किया गया है।कृषको से अनुरोध है कि समय-सीमा में अपने नजदीकी पंजीयन केन्द्र पर जाकर नि:शुल्क पंजीयन फार्म प्राप्त कर अपना पंजीयन करावे। कृषको की सुविधा हेतु अधिकृत एमपी ऑनलाईन, कांमन सर्विस सेंटर पर सशुल्क तथा अपने मोबाईल पर किसान एप पर भी अपना पंजीयन करा सकते है। किसान पंजीयन के लिए कृषक पंजीयन केन्द्र पर भूमि संबंधी दस्तावेज़ एवं किसान के आधार कार्ड, बैकपासबुक एवं फोटो पहचान हेतु आवश्यक दस्तावेज लाना अनिवार्य होगा। रबी विपणन वर्ष 2025-26 में समर्थन मूल्य पर गेहू उपार्जन हेतु किसान अपना पंजीयन शासन द्वारा निर्धारित समय सीमा में करवायें।

महाकुंभ प्रयाग से लौटने पर श्री चैतन्य आश्रम मेनपुरिया युवाचार्य...

पू. स्वामी मणि महेश चैतन्यजी महाराज और कुम्भ में सेवादार कार्यकर्ताओं का किया सम्मान

मंदसौर, 16 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। प्रयागराज में आयोजित महाकुम्भ श्री चैतन्य आरम मेनपुरिया में पौष पूर्णिमा 13 जनवरी से माघ पूर्णिमा 12 फरवरी तक आश्रम के युवाचार्य पूज्य महन्त स्वामी श्री मणि महेश चैतन्यजी महाराज के सानिध्य में शिविर लगाया गया था। शिविर में प्रतिदिन लगभग 1 लाख श्रद्धालुओं-सन्तों का भण्डारा संतो-विद्वतजनों के आशीर्वचन हुए।

महाकुम्भ से 15 फरवरी को स्वामीजी का महाकुंभ से चैतन्य आश्रम पर लौटने पर स्वामीजी वं साथ गये संत स्वामी शिवचैतन्यजी महाराज एवं मोहनानंदजी महाराज का सम्मान किया गया। कुम्भ में अहर्निश सेवा देने वाले सेवादार कार्यकर्ताओं-लोक न्यास अध्यक्ष प्रहलाद काबरा, श्रीमती आशा काबरा, श्रीमती काशीबाई को प्रशस्ति पत्र एवं मोतियों की माला से सम्मान किया। काबरा दम्पत्ति ने स्वामीजी मणि महेश चैतन्यजी महाराज को भगवान पशुपतिनाथ की रजत प्रतिमा भेंटकर आशीर्वाद लिया। लोकन्यास ट्रस्टी प्रद्युम्न शर्मा, सचिव रूपनारायण जोशी, कोषाध्यक्ष महेश गर्ग, जगदीश सेठिया, राधेश्याम गर्ग, पूर्व प्रेस क्लब अध्यक्ष एवं ट्रस्टी ब्रजेश जोशी, अजय सिखवाल, रमेशचन्द्र शर्मा, बंशीलाल टांक आदि ने सम्मान किया। कुम्भ में निरंतर एक माह तक सेवा देने वाले स्वामी रामेश्वरजी खडेश्वरी गौशाला जगाखेडी, लक्षित माली बनी, डॉ. शुभम बड़गुर्जर बिजवाड़, श्यामसुंदर माली बनी, भरत माली धुंधडका, विनोद गोस्वामी बनी, मधुसूदन नागर धुंधडका, मनीष जामुनिया बिजवाड, अनिल नरवरिया बिजवाड, भरत माली दलौदा रेल, ब्रजमोहन माली बिजवाड, सोम पाठक हरिद्वार, प्रद्युम्न शर्मा हरिद्वार, शिवा माली एलची, विनोद एलची, अनिलदास बैरागी एलची का विशेष सहयोग से प्रशस्ती पत्र एवं मोतियों की माला भेंटकर सम्मान किया गया।

स्वागत उद्बोधन एवं आश्रम के संबंध में निर्माण प्रगति- आगामी सिंहस्थ की प्रस्तावना सचिव रूपनारायण जोशी ने प्रस्तुत की। ब्रजेश जोशी, जगदीश सेठिया ने स्वामीजी द्वारा कुंभ में चैतन्य आश्रम का शिविर लगाने और कार्यकर्ताओं द्वारा उसमें सेवा कर सफल बनाने की सराहना करते हुए इसे मंदसौर का गौरव बताया। इस अवसर पर स्वामीजी ने प्रयागराज की महिमा के संबंध में प्रयाग शब्द की व्याख्या करते हुए कहा कि जिस शब्द के आगे प्र उत्सर्ग का प्रयोग होता है उसका साधारण अर्थ से हटकर विशिष्टरूप में प्रयोग माना जाता है। सम्मान में प्रतिष्ठा, प्रयोजन आदि, याग का अर्थ है यज्ञ, परन्तु यज्ञ के प्र लगने से जिस भूमि पर सर्वाधिक यज्ञ होते है। वह फिर प्रयाग कहलाने लगता है। 12 वर्षों में लगने वाले कुंभ मेले को कुम्भ कहा जाता है परन्तु 144 वर्षों बाद 12 कुम्भ लगने के बाद जो कुम्भ लगता है उसे फिर महाकुम्भ कहा जाता है जो इसलिये इस वर्ष का कुम्भ महाकुम्भ कहलाया। जिस महाकुम्भ में लगभग 51 करोड श्रद्धालु के माघ पूर्णिमा तक स्नान किया जिसमें भगवान पशुपतिनाथ की कृपा से चैतन्य आश्रम का कैम्प सानन्द सफल होने पर सबने सबने खुशी जाहिर की। इससे मंदसौर का गौरव बढा है। स्वामीजी ने 2028 में उज्जैन में आयोजित सिंहस्थ में भी सभी से प्रयाग महाकुम्भ की तरह कार्यकर्ताओं से सेवा सहयोग और श्रद्धालुओं से सम्मिलित होने का आव्हान किया। संचालन बंशीलाल टांक ने किया व आभार प्रहलाद काबरा ने माना।

फैक्ट्री में केमिकल रिसाव पर प्रभावित पीड़ितों को निकाला सुरक्षित

राजाराम फेक्ट्री के कर्मियों के साथ एनडीआरएफ का सीबीआरएन आपदा पर मॉक अभ्यास

मंदसौर, 16 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। आपदा जोखिम न्यूनीकरण और प्रबंधन योजना के तहत श्री मनोज कुमार शर्मा, उप महानिरीक्षक के दिशा-निर्देशन में 11 एनडीआरएफ, वाराणसी की टीम द्वारा राजाराम एंडब्रदर स्टार्चफैक्ट्री मंदसौर के प्लांट में सीबीआरएन (केमिकल, बायोलोजिकल, रेडिओलोजिक्ल और न्यूक्लियर) आपदा पर संयुक्त मॉक अभ्यास किया गया।

श्री एस ए सिकंदर, सहायक कमांडेंट की देख-रेख में एनडीआरएफ तथा श्री डी आर वर्मा, डिस्ट्रिक्ट कमांडेंट एसडीआरएफ ने प्लांट कर्मचारी, होम गार्ड, पुलिस, ज़िला प्रशासन, दमकल विभाग और विभिन्न हितधारकों के साथ केमिकल एमरजेंसी पर मॉक अभ्यास का आयोजन किया गया। इस दौरान प्लांट परिसर में एचसीएल पाइपलाइन के रिसाव का परिदृश्य तैयार किया गया था, जिसमें कुछ कर्मचारी उसके सम्पर्क में आने से प्रभावित हो गये थे। अभ्यास की शुरुआत आपातकालीन अलार्म के साथ हुई। प्रभावित पीड़ितों को निकालने के लिए विशेष प्रतिक्रिया के लिए एनडीआरएफ टीम को बुलाया गया। एनडीआरएफ की टीम ने जानकारी जुटाकर स्थिति का आकलन किया एवं इसके साथ ही ऑपरेशन बेस, मेडिकल पोस्ट और कम्युनिकेशन पोस्ट तैयार किया। इसके बाद टीम ने खतरे की जांच कर ऑपरेशन शुरू किया। एनडीआरएफ टीम द्वारा केमिकल रिसाव के स्रोत को सील कर दिया गया। बचाव दल द्वारा सीबीआरएन सूट की मदद से प्रभावित पीड़ितों को सुरक्षित निकाला गया। उसके बाद, पीड़ितों और बचावकर्ताओं की परिशोधन प्रक्रिया को अंजाम दिया गया। यह पूरा अभ्यास श्री दिलीप कुमार (प्रबंधक), श्री वय के शर्मा (सुरक्षा अधिकारी), ज़िला प्रशासन, अग्निशमन विभाग और प्लांट के अधिकारीयों एवं कर्मचारियों की मौजुदगी में किया गया। मॉक अभ्यास का उद्देश्य सभी हितधारकों के बीच समन्वय बनाना, उपचारात्मक उपाय करना, संसाधनों की दक्षता की जांच करना और प्रतिकूल स्थिति में बचाव कार्यवाही को परखना था, जिससे किसी भी सीबीआरएन आपदा के दौरान कार्यवाही करते हुए बहुमूल्य मानव जीवन को बचाया जा सके।

नाबार्ड के महाप्रबंधक ने किया एफडीपी वाडी परियोजना का दौरा, प्रतिभागियों की उपलब्धियों को सराहा

मंदसौर, 16 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। जिले के 50 गाँवों में फसलता के नए आयाम स्थापित कर रही एफडीपी वाडी परियोजना का उच्चस्तरीय विजिट नाबार्ड के क्षेत्रीय कार्यालय, भोपाल के महाप्रबंधक कमर जावेद द्वारा किया गया। इस अवसर पर बाएफ लाइवलीहुड के राज्य प्रमुख पवन पाटीदार भी उनके साथ उपस्थित रहे। भ्रमण के दौरान नाबार्ड के जिला विकास प्रबंधक योगेश सैनी, एलडीएम संजय कुमार मोदी एवं बाएफ के क्षेत्रीय प्रभारी एवं प्रोजेक्ट लीडर जे.एल. पाटीदार सहित कई अन्य वरिष्ठ अधिकारी व परियोजना से जुडे किसान प्रतिनिधि भी मौजूद रहे।

परियोजना क्षेत्र का व्यापक विजिट- महाप्रबंधक कमर जावेद ने ग्राम आगर एवं एरी का दौरा कर एफडीपी वाडी परियोजना के अंतर्गत विकसित संतरे की उन्नत वाडियों का अवलोकन किया। इस दौरान उन्होंने परियोजना के प्रभाव, उसकी चुनौतियों एवं भविष्य की संभावनाओं पर वाडी प्रतिभागियों के साथ गहन चर्चा की।

किसानों की सफलता पर प्रशंसा, तकनीकी विकास को मिली सराहना- बैठक के दौरान वाडी प्रतिभागियों ने साझा किया कि इस परियोजना के अंतर्गत 1200 से अधिक परिवारों को तकनीकी रूप से संतरे की उन्नत वाडियों से जोड़ा गया है। किसानों ने एचडीएफसी बैंक परिवर्तन एवं बाएफ लाइवलीहुड की भूमिका की सराहना करते हुए कहा कि हर घर वाडी मॉडल को एरी गांव में सफलतापूर्वक लागू किया गया है, जिससे स्थानीय किसानों की आय में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है।

नाबार्ड से दीर्घकालिक सहयोग की अपील- चूंकि एफडीपी वाडी परियोजना अगले माह समाप्त हो रही है, प्रतिभागियों ने परियोजना को संगठनात्मक दृष्टिकोण से आगे बढाने की इच्छा जताई। उन्होंने नाबार्ड अधिकारियों से अनुरोध किया कि वे आगामी योजनाओं में किसानों को जोड़कर वाडियों से उत्पादित संतरे की ग्रेडिंग, पैकेजिंग और बाजार उपलब्धता (सिंगल विंडो मार्केटिंग) के लिए आवश्यक तकनीकी सहयोग करें।

अधिकारियों का आश्वासन और भविष्य की रणनीति- महाप्रबंधक कमर जावेद ने परियोजना की उपलब्धियों की सराहना करते हुए कहा कि यह मॉडल ग्रामीण आर्थिक सशक्तिकरण का बेहतरीन उदाहरण है। उन्होंने किसानों को आश्वासन दिया कि नाबार्ड किसानों की तकनीकी व विपणन संबंधी आवश्यकताओं के लिए हरसंभव सहयोग प्रदान करेगा।

विजिट में उपस्थित प्रमुख अधिकारी एवं किसान- इस महत्वपूर्ण अवसर पर परियोजना टीम के प्रोजेक्ट लीडर जे.एल. पाटीदार, टीम सदस्य सुरेश मेवाड़ा, रविंद्र पाटीदार, मयंक यादव, विजय धाकड, देवेंद्र चौहान एवं वाडी प्रतिभागी लक्ष्मीनारायण, दिलीप, निहालचंद, ओमप्रकाश, मुकेश सहित अनेक किसान उपस्थित रहे।

हाथरस पर आधारित 14 दिवसीय रामलीला का आयोजन आज से

मनासा, 16 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। समीपस्थ गांव नलखेड़ा में गांव के स्थानीय कलाकारों द्वारा हाथरस पर आधारित रामलीला का आयोजन किया जा रहा है। रामलीला मंडल के कैलाश राठोर व कमलेश शर्मा ने बताया कि गांव के युवा कलाकारों द्वारा लगातार पांचवें वर्ष भी गांव के युवा कलाकारों द्वारा रामलीला का आयोजन किया जा रहा हैं। इसमें आज 17 फरवरी से 2 मार्च तक 14 दिवसीय संगीतमय रामलीला आयोजित होगी। प्रतिदिन रात 8 से 10.30 बजे तक आयोजित होने वाली संगीतमय रामलीला में गांव के युवा कलाकारों द्वारा भगवान श्री राम के जीवन पर आधारित विभिन्न प्रसंगों का सजीव चरित्र चित्रण किया जाएगा। रामलीला का आरंभ नारद मोह प्रसंग व विश्राम 2 मार्च को राम राज्याभिषेक के साथ होगा।

दो परीक्षा केंद्रों पर राज्य सेवा प्रारंभिक परीक्षा सम्पन्न

नीमच, 16 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। राज्य सेवा प्रारंभिक परीक्षा 2025 रविवार को दो सत्रों में प्रात: 10 बजे से 12 बजे तक तथा दोपहर 2.15 बजे से 4.15 बजे तक जिला मुख्यालय नीमच के 2 परीक्षा केंद्रो पर आयोजित की गई है। परीक्षा केंद्र शा.बा.उ.मा.वि.क्र.2 नीमच एवं श्रीसीताराम जाजू कन्या महाविद्यालय नीमच में उक्त परीक्षा शांतिपूर्ण एवं सुव्यवस्थित तरीके से सम्पन्न हुई। आयोग के पर्यवेक्षक श्री अर्जुन सिंह डावर, ने परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण कर सुचारू एवं सुव्यवस्थित परीक्षा संचालन का जायजा लिया।

इस परीक्षा में जिले के दोनों केंद्रो पर क्रमश: 400 एवं 248 इस तरह कुल 648 परीक्षार्थियों में से प्रथम पाली में क्रमश 351 एवं 214 परीक्षार्थी कुल565 परीक्षार्थी परीक्षा में शामिल हुए है। दोनो केंद्रों पर प्रथम पाली मे 83 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे है। डिप्टी कलेक्टर श्री चन्द्रसिंह धार्वे एवं डिप्टी कलेक्टर सुश्री किरण आंजना एवं प्रभारी तहसीलदार श्री संजय मालवीय ने परीक्षा केंद्रों का आकस्मिक निरीक्षण कर सुचारू एवं सुव्यवस्थित परीक्षा संचालन का जायजा लिया।

कैरियर मार्गदर्शन एवं युवा संवाद कार्यशाला संपन्न

मंदसौर, 16 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। मप्र अजाक्स जिला मंदसौर की कैरियर मार्गदर्शन एवं युवा संवाद कार्यशाला दिनांक 16 फरवरी रविवार को संपन्न हुई। 'अनुसूचित जाति-जनजाति विद्यार्थी युवा संवाद, कॅरियर जागरूकता एवं संगठन की जिम्मेदारी' कार्यशाला जिला अध्यक्ष प्रहलाद कुमार सूर्यवंशी की अध्यक्षता में एवं कु. प्रियंका जाटव प्रांतीय अध्यक्ष (अनुसूचित जाति एवं जनजाति छात्र युवा संगठन) के मुख्य आतिथ्य एवं विशेष अतिथि के रूप में, संभागीय उपाध्यक्ष जे.पी अहिरवार, जिला खाद्य अधिकारी राजू सोलंकी, प्रोफेसर के.आर.सूर्यवंशी, प्रोफेसर संदीप सोनगरा, पूर्व अजाक्स जिलाध्यक्ष- हीरालाल मालवीय (डायमंड), रामनिवास सूर्यवंशी अजाक्स उपाध्यक्ष, जिला सचिव मुकेश कोठे उपस्थित हुए। कार्यक्रम के प्रारंभ में बाबा साहेब डॉ.भीमराव अंबेडकर के चित्र पर माल्यार्पण किया गया। उसके पश्चात उपस्थित सभी अतिथियों ने कॅरियर मार्गदर्शन को लेकर उद्बोधन दिया। इस अवसर पर मध्य प्रदेश अनुसूचित जाति एवं जनजाति कर्मचारी संघ (अजाक्स) जिला मंदसौर द्वारा 'अनुसूचित जाति जनजाति विद्यार्थी युवा संवाद, कैरियर जागरूकता एवं संगठन की जिम्मेदारी' विषय पर सभी उपस्थित वक्ताओं द्वारा उद्बोधन देकर छात्र-छात्राओं का मार्गदर्शन कॅरियर मार्गदर्शन किया गया।

कार्यक्रम के दौरान छात्रों को यूपीएससी, पीएससी, बैंकिंग, रेलवे, एसएससी, पुलिस, शिक्षक भर्ती आदि प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी और उच्च शिक्षा के अवसरों पर विस्तृत जानकारी दी गई। साथ ही, छात्र संगठनों की भूमिका, सरकारी योजनाओं, छात्रवृत्ति, फेलोशिप और स्वरोजगार योजनाओं से संबंधित महत्वपूर्ण विषयों पर भी चर्चा की गई। इस अवसर पर वक्ताओं ने युवाओं को नेतृत्व क्षमता, आत्मनिर्भरता और संगठन की शक्ति को समझने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने छात्रों को शिक्षा, अधिकारों और सामाजिक उत्थान के लिए संगठित होकर कार्य करने का आह्वान किया। उपस्थित सभी अतिथियों को स्मृति चिन्ह के रूप में शील्ड अजाक्स संगठन द्वारा प्रदान की गई। इस अवसर पर अजा अजजा युवा छात्र संगठन की जिम्मेदारी महेश परमार को जिला अध्यक्ष नियुक्त किया गया, एवं कुमारी तमन्ना कथिरिया को कार्यकारी जिला अध्यक्ष मनोनीत किया गया। पीयूष जगावत महासचिव, बजरंग लाल मेघवाल विधि प्रकोष्ठ प्रमुख, विशाल रायकवार संयुक्त महासचिव, रेणुका जाटव महासचिव, कविता सूर्यवंशी उपाध्यक्ष को संगठन की जिम्मेदारी दी गई। इस आयोजन में मंदसौर जिले के सभी अजाक्स पदाधिकारी जिला सचिव मनोज कुमार धानिया, जिला महासचिव सुनील राठौर, मल्हारगढ ब्लॉक अध्यक्ष-राजेंद्र कुमार चौहान, मल्हारगढ तहसील अध्यक्ष विजय देवडा, मंदसौर तहसील अध्यक्ष दिनेश सूर्यवंशी, अभिनंदन सूर्यवंशी, सुमित सोलंकी, अर्जुन हरोकी व विद्यालयों, महाविद्यालयों और छात्रावासों के छात्रों ने बडी संख्या में भाग लिया। कार्यक्रम का संचालन मनोज कुमार धानिया द्वारा किया गया। अंत में कार्यक्रम का आभार जिला उपाध्यक्ष रामनिवास सूर्यवंशी ने व्यक्त किया।

अंतिम पंक्ति के व्यक्ति को शासन की योजना का लाभ मिले-दीक्षित

पिपलियामंडी, 16 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। पंडित दीनदयाल उपाध्याय का पवित्र संकल्प था कि अंतिम पंक्ति के व्यक्ति को शासन की योजनाओं का लाभ मिले और वही कार्य जन अभियान परिषद के सामाजिक कार्यकर्ता कर रहे है। साथ ही मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास पाठ्यक्रम योजना के सामाजिक कार्यकर्ता जिन्होंने प्रत्येक रविवार को बैचलर एवं मास्टर डिग्री प्राप्त करने वाले बधाई के पात्र है। उक्त बात भाजपा जिलाध्यक्ष राजेश दीक्षित ने अटलबिहारी शासकीय महाविद्यालय पिपलिया में जन अभियान द्वारा आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कही। भाजपा पूर्व जिलाध्यक्ष मानसिंह माछोपुरिया कहा मल्हारगढ विधानसभा में समाज सेवा का कार्य भी किया जा रहा ओर डिग्री प्राप्त कर अपने व्यक्तित्व का निर्माण किया जा रहा है। राकेश पाटीदार ने कहा मैने भी जन अभियान परिषद में सामाजिक कार्यकर्ता के रूप में कार्य किया, वह आज भी प्रेरणादायक है। जन अभियान परिषद विधानसभा प्रभारी इंद्रजीत भट्ट, संकल्पित मंदसौर संस्था अध्यक्ष समाजसेवी दिलीप धनराज गुप्ता, सामंतसिंह शक्तावत, आशीष विजयवर्गीय, भेरूलाल सेन, कमलेश पाटीदार आदि मंचासीन रहे। इस अवसर पर बनेसिंह शक्तावत, भंवरलाल गुर्जर, वासुदेव गुर्जर, रामनिवास पाटीदार, महेश मरेठा, कमल धनगर, महिपाल पाटीदार, दिलीप कुमावत, आशीष कुमावत, मंगलसिंह बोराना, नरेंद्र पांडे, विजय बैरागी, भागीरथ पाटीदार, बालमुकुंद मालवीय, बद्रीलाल चौहान, सत्यनारायण सेन, भेरूलाल धनगर, मनोहरसिंह, मंगलसिंह शक्तावत, जतिन गुप्ता, प्रांजल गुप्ता, सत्यनारायण माली उपस्थित रहे। संचालन नरेंद्र पांडे ने किया आभार ब्लॉक समन्वयक श्रीमती अर्चना भट्टने माना। कार्यक्रम के पश्चात सामाजिक कार्यकर्ताओं को बीएस डब्ल्यू व एमएस डब्ल्यू की अंकसूची वितरित की।

जिले की सोसायटियों में 1441 फार्मर रजिस्ट्री एवं 592 ई-केवायसी की

नीमच, 16 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। जिला कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा के निर्देशानुसार जिले में कृषि साख सहकारी सस्थाओं में किसानों की ई-केवायसी एवं फार्मर रजिस्ट्री के लिए विशेष शिविर आयोजित किये जा रहे है। इसी क्रम में जिले की सोसायटी में शनिवार को कुल 1441 किसानों की फार्मर रजिस्ट्री की गई और कुल 592 किसानों की ई-केवायसी की गई है। सहायक आयुक्त श्री राजू डाबर ने बताया कि नीमच उपखण्ड की सहकारी समितियों में 627 फार्मर रजिस्ट्री एवं 238 ई-केवायसी, जावद क्षेत्र में 536 फार्मर रजिस्ट्री एवं 148 ई-केवायसी तथा मनासा क्षेत्र की सोसायटी में शनिवार को 278 फार्मर रजिस्ट्री एवं 206 ई-केवायसी की गई है। जिले की सोसायटी के अतिरिक्ता राजस्व अमले द्वारा किसानों के घर-घर सम्पर्क कर शेष रहे किसानो की खसरा ई-केवायसी एवं फार्मर रजिस्ट्री का कार्य किया जा रहा है। रविवार को लुहारिया जाट, श्रीपुरा, धाकडखेडी, पडदा, सरवानिया महाराज, पिपलिया रावजी बडिया जागीर सहित अन्य गावों में राजस्व अमलें द्वारा किसानों के खसरा ई-केवायसी एवं फार्मर रजिस्ट्री का कार्य किया गया है।

प्रसन्नता का दर्शन विषय पर व्याख्यान सम्पन्न

मंदसौर, 16 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में 15 फरवरी 2025 को 'प्रसन्नता का दर्शन' विषय पर एक व्याख्यान आयोजित किया गया। इस व्याख्यान में नवागत प्राचार्य डॉ जे एस दुबे सर ने मुख्य अतिथि के रूप में विद्यार्थियों को संबोधित किया।

इस आयोजन का संयोजन अंग्रेजी विभाग और व्यक्तित्व विकास विभाग ने किया था, जिसकी विभागाध्यक्ष एवं संयोजक डॉ वीणा सिंह हैं। इस आयोजन में प्रो सचिन शर्मा और प्रो दीप्ति शक्तावत सहयोगी साथी के रूप में शामिल हुए। संचालन दायित्व डॉ मिश्रा ने निभाया। इस व्याख्यान में 100 से अधिक विद्यार्थियों ने भाग लिया, जिन्होंने आंतरिक और बाह्य व्यक्तित्व पर चर्चा की और आंतरिक प्रसन्नता के महत्व पर बल दिया। डॉ दुबे ने अपने व्याख्यान में कहा कि प्रसन्नता का दर्शन हमारे जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाने में मदद कर सकता है। डॉ. दुबे ने विद्यार्थियों से बात करते हुए उन्हें बताया कि यदि विद्यार्थी कक्षा में उपस्थित नहीं होंगे तो वह बहुत सी चुनौतियों से लडने में सक्षम नहीं हो पाएंगे उदाहरण के लिए सर ने कहा कि यदि विद्यार्थी कक्षा में उपस्थित होंगे तो बहुत सारी प्रतियोगी परीक्षाओं में उन्हें मदद मिलेगी, साथ ही यदि वे शिक्षक बनना चाहते हैं तो उन्हें अपने शिक्षक को देखकर पढाना भी आएगा, क्योंकि विद्यार्थी अपने शिक्षक की कही हर बात को सत्य मानते हैं और उनका अनुसरण करते ह सर दर्शनशास्त्र के प्राध्यापक भी हैं ,अत: उन्हों ने दर्शनशास्त्र का मतलब भी विद्यार्थियों को बतायों दर्शनशास्त्र का मतलब 'ज्ञान के प्रति प्रेम' ,अर्थात शास्त्रों एवं ज्ञान से प्रेम। जितना विद्यार्थी ज्ञान एवं शास्त्र से प्रेम करेंगे उतना ही उन्नति की और अग्रसर होंगे। इस आयोजन का उद्देश्य विद्यार्थियों को प्रसन्नता के महत्व के बारे में जागरूक करना और उन्हें अपने जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाने के लिए प्रेरित करना था।

वर्तमान में किसानों की हालत दिन-ब-दिन बद से बदतर होती जा रही

उपज का उचित भाव नहीं मिलने, घोड़ारोज के आतंक व प्रकृति की मार से त्रस्त है किसान-मुकेश पालड़ी

मंदसौर, 16 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। वर्तमान में किसानो की हालत दिन-ब-दिन बद से बदतर होती जा रही है। किसान को कभी उत्पादन का उचित भाव नहीं मिलता, कभी घोड़ारोज के आतंक से त्रस्त है तो कभी किसान को प्रकृति के कहर का सामना करना पड़ता है। कृषि प्रधान देश भारत में अन्नदाता किसान की किसानों कि हालत आज बहुत नाजुक स्थिति में है।

उक्त बात पूर्व सैनिक व किसान मुकेश गुर्जर (पालडी) ने किसानों की स्थिति पर चिंता जताते हुए कही है। श्री गुर्जर ने कहा कि आज के परिप्रेक्ष्य में देखे तो किसानों के किसी भी उपज का उचित भाव नहीं मिल पा रहा है मैथी, सरसों, अलसी, तिलहन, दलहन या देखें अन्य उपज सभी के मंडी भाव में भारी मंदी देखने को मिल रही है। कुछ समय से एक आस जगी थी लहसुन के भाव पर लेकिन अब तो वह उम्मीद भी फीकी पडती नजर आ रही। लहसुन के भाव 7 हजार के भीतर सीमट गई। महंगे महंगे बिजरोपण खाद, खरपतवार सिंचाई मेहनत मजदूरी सभी लगाया इस उम्मीद से कि अच्छा भाव मिलेगा लेकिन होनी को कुछ और ही मंजूर था लहसुन मंडी तक पहुंचते पहुंचते धड़ाम से औंधे मुंह गिरी उन्ही लहसुन के मंडी भाव को देखे तो लागत मूल्य मिलना भी मुश्किल हो गया। श्री गुर्जर ने बताया कि विगत 3 वर्षों से सोयाबीन के भाव कि स्थिति भी कुछ खास ठीक नहीं है वह भी 4 हजार के भीतर ही विक्रय हो रही है। मध्य प्रदेश में सोया उत्पादन शीर्ष स्थान पर है यहां तक की मध्य प्रदेश को सोया स्टेट का दर्जा प्राप्त है लेकिन सिर्फ सोया स्टेट का दर्जा ही प्राप्त है किसानों को उचित भाव प्राप्त नहीं हो पा रहा है।

प्रकृति भी कई बार किसानों के मस्तक पर चिंता कि लकीर खींच देती है कभी अत्यधिक वर्षा तो कभी अल्प वर्षा कभी अत्यधिक ठंड पाला बेबस कर देती है किसानों को इन सभी से लडते हुवे किसान आगे बढता है तो एक और जटिल समस्या सामने खडी मिलती है अंकुरित फसल से लेकर पक्की पकाई फसल तक को अपने पैरों तले रौंद देता है घोडारोज़ (नील गाय) फसल को खाता कम और लौट ज्यादा मारता है ऐसे नुकसान करता है जैसे वर्षों पुरानी दुश्मनी हो किसानों से घोडारोज के आतंक से रोड दुर्घटना भी दिन-ब-दिन बढ़ती जा रही है। तथाकथित क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों को एक साझा प्रयास करके घोडारोज (नील गाय) कि समस्या से निजात एवं किसानों को अपनी उत्पादन का उचित दाम मिले ऐसा एक साझा प्रयास कि आवश्यकता है। श्री गुर्जर ने कहा कि परिश्रम की पराकाष्ठा को पार कर किसान कडाके की ठंडक में सींचते हैं अपनी फसल को अपना व अपने बच्चों परिवार का पेट काटकर एक एक रुपया बचाकर खाद, बीज, दवाई छिड़काव खरपतवार मजदूरी में लगाता है किसान इस उम्मीद में कि सब कुछ अच्छा होगा क्या खोया क्या पाया बस सिर्फ खोया ही खोया है बडी उम्मीद के साथ किसान फसल का उत्पादन करता है इस उम्मीद के साथ की इस फसल से मेरे परिवार का पेट पलेगा मेरे बच्चों की पढाई होगी मेरे बच्चों की शादियां होगी नया घर होगा लेकिन सारी उम्मीद धरी कि धरी रह जाती है सारे सपने टूट से जाते है। श्री गुर्जर ने कहा कि विशेषकर इस विषय पर ध्यानाकर्षण कर चिंतन और समाधान कि आवश्यकता है।

ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर्स नीति से निवेश और नवाचार का प्रारंभ होगा नया युग-मुख्यमंत्री

वैश्विक स्तर पर नीति को प्रस्तुत करने जीआईएस होगा बड़ा मंच

मंदसौर, 16 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि राज्य सरकार ने 'मध्यप्रदेश ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर (GCC) पॉलिसी 2025' लॉन्च की है, जो बहुराष्ट्रीय कंपनियों को आकर्षित करने और राज्य को एक डिजिटल एवं तकनीकी हब के रूप में स्थापित करने की दिशा में बड़ा कदम है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आत्मनिर्भर भारत और डिजिटल इंडिया विजन को गति देने में यह नीति एक मील का पत्थर साबित होगी। भोपाल में होने वाली ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट-2025, इस नीति को वैश्विक स्तर पर प्रस्तुत करने का सबसे बड़ा मंच मिलेगा। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी समिट का 24 फरवरी को शुभारंभ करेंगे, जिससे मध्यप्रदेश का निवेश परिदृश्य और भी मजबूत होगा। दुनिया भर के निवेशकों, उद्योगपतियों और नीति-निर्माताओं के समक्ष मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव इस नीति को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत करेंगे, जिससे जीसीसी के क्षेत्र में राज्य को नई उंचाइयों तक पहुंचाया जा सके। इस समिट से जीसीसी के लिये बड़ी संख्या में निवेश प्रस्तावों की उम्मीद है, जिससे राज्य का आर्थिक परिदृश्य बदल जाएगा।

जीसीसी : वैश्विक कारोबार का नया केन्द्र-ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर्स वे केन्द्र हैं, जिन्हें अंतरराष्ट्रीय कंपनियां अपने मुख्यालय से अलग अन्य देशों में स्थापित करती हैं। इनका उद्देश्य वैश्विक स्तर पर अपने ऑपरेशंस को सुचारू रूप से चलाना और अत्याधुनिक तकनीकों का लाभ उठाना होता है। इन केन्द्रों में सॉफ्टवेयर डेवलपमेंट, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, क्लाउड कंप्यूटिंग, डेटा एनालिटिक्स, वित्तीय सेवाएं, अनुसंधान एवं विकास, सप्लाई चेन मैनेजमेंट और ग्राहक सहायता जैसी सेवाएं दी जाती हैं। वर्तमान में भारत दुनिया का सबसे बड़ा जीसीसी हब बन चुका है, जहां 1600 से अधिक जीसीसी कार्यरत हैं। मध्यप्रदेश इस सेक्टर में अपनी भागीदारी को तेजी से बढ़ाने के लिए पूरी तरह तैयार है। यह नीति विशेष रूप से आईटी, वित्त, इंजीनियरिंग और बिजनेस प्रोसेस आउटसोर्सिंग जैसे क्षेत्रों में निवेश को आकर्षित करने पर केन्द्रित है और राज्य का औद्योगिक परिदृश्य पूरी तरह से बदलने की क्षमता रखती है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव के प्रयासों से मध्यप्रदेश देश के सबसे उभरते हुए निवेश केन्द्रों में शामिल हो चुका है। उनके नेतृत्व में ईज ऑफ डूइंग बिजनेस में सुधार, आईटी इन्फ्रास्ट्रक्चर का विकास और निवेशकों को आकर्षित करने के लिए निरंतर प्रयास किए गए हैं। राज्य सरकार ने मध्यप्रदेश राज्य इलेक्ट्रॉनिक्स विकास निगम लिमिटेड (MPSeDC) को इस नीति के कार्यान्वयन की नोडल एजेंसी बनाया है, जो कंपनियों को हर संभव सहायता प्रदान करेगी। राज्य में जीसीसी को तेजी से स्थापित करने के लिए एक विशेष नीति क्रियान्वयन इकाई (Policy Implementation Unit - PIU) बनाई जा रही है, जो प्रोत्साहनों के आवंटन, परियोजनाओं की स्वीकृति और अनुपालन निगरानी का कार्य करेगी। यह सुनिश्चित किया जाएगा कि निवेशकों को समय पर सभी सुविधाएं मिलें और वे राज्य में अपने प्रोजेक्टस को शीघ्र शुरू कर सकें।

मध्यप्रदेश : निवेशकों के लिए पसंदीदा स्थल-मध्यप्रदेश में जीसीसी के लिए अनुकूल वातावरण उपलब्ध है। पिछले तीन वर्षों में र्राज्य के आईटी/आईटीईएस निर्यात में तीन गुना वृद्धि हुई है और वार्षिक वृद्धि दर 43 प्रतिशत है। इंदौर, भोपाल और जबलपुर जैसे शहर तेजी से आईटी और ईएसडीएम हब के रूप में विकसित हो रहे हैं। राज्य में 300 से अधिक इंजीनियरिंग कॉलेज हैं, जहां से हर साल 50 हजार से अधिक टेक्नोलॉजी ग्रेजुएट निकलते हैं। निवेशकों के लिए किफायती बिजनेस ऑपरेशन, अत्याधुनिक टेक्नोलॉजी पार्क, विशेष आर्थिक क्षेत्र (SEZs) और सरल नियामकीय प्रक्रियाएं इस नीति को और अधिक प्रभावी बना रही हैं। ईज ऑफ डूइंग बिजनेस रैंकिंग में मध्यप्रदेश चौथे स्थान पर है, जो यह साबित करता है कि राज्य में निवेशकों के लिए एक अनुकूल माहौल मौजूद है।

जीसीसी नीति-2025 : आर्थिक क्रांति की आधारशिला-मध्यप्रदेश की जीसीसी नीति-2025 एक परिवर्तनकारी पहल है, जो भारत को 2030 तक 110 बिलियन डॉलर के जीसीसी बाजार के लक्ष्य को प्राप्त करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। इनोवेशन, इन्फ्रास्ट्रक्चर और प्रोत्साहनों पर केंद्रित यह नीति राज्य को वैश्विक कंपनियों के लिए एक प्रमुख डेस्टिनेशन बनाएगी, जहां वे अपने जीसीसी ऑपरेशंस को स्थापित और विस्तारित कर सकेंगी। आगामी ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट-2025 इस पहल को अंतरराष्ट्रीय निवेशकों के सामने प्रस्तुत करने का सबसे बड़ा मंच होगी, जहां से मध्यप्रदेश को ऐतिहासिक निवेश प्रस्तावों की उम्मीद है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की उपस्थिति इस आयोजन को और भी महत्वपूर्ण बनाएगी। इस नीति के क्रियान्वयन से मध्यप्रदेश नवाचार, टेक्नोलॉजी और रोजगार सृजन के नए युग में प्रवेश करेगा, जिससे राज्य के युवाओं को वैश्विक स्तर पर रोजगार के अवसर मिलेंगे और प्रदेश की अर्थव्यवस्था को नई गति मिलेगी।

मुरली मनोहर मंदिर में भजन संध्या सम्पन्न

मनासा, 16 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। शनिवार को नगर के मुरली मनोहर मंदिर पर बसेर परिवार द्वारा आयोजित भजन संध्या में नगर के लोक प्रिय भजन गायकों ने अपने सुमधुर भजनों से भजन संध्या में भक्ति रस का माहौल बनाते हुवे भक्ति की ऐसी सरिता बहाई की भक्तों को प्रभु की भक्ति में नाचने मजबूर कर दिया। बसेर परिवार द्वारा आयोजित इस भजन संध्या की शुरुआत भजन गायकों मै अग्रणी विजय उपाध्याय ने गणपति बंदना के साथ ही गुरु वंदना में गुरुवर कृपा करना... से करते हुवे की साथ ही क्यों नी आयो रे मारा सांवरिया सेठ क्यों नी आयो रे...गा कर माहौल को भक्ति रस में डूबो दिया। अपने भजनों की सुरीली आवाज से देश भर में पहचान बनाने वाली मनासा की बेटी कनिका ग्रोवर के पिता

धर्मपाल ग्रोवर ने भी उपस्थिति लगाते हुवे अपनी चिरपरिचित आवाज में मेरे जिंदगी के मालिक कही मुझसे न रूट जाना मुझे रास आगया हे तेरे दर पर सर झुकना.... मुझे इसका ग़म नहीं हे बदल गया जमाना मुझे मिल गया तेरा ठिकाना..... गाते हुवे भजन संध्या में शमा बांध दिया। प्रकाश छतानी ने बाबा भोलेनाथ की महिमा में 'अजब हे तेरी माया कोई समझ नहीं पाया भोले नाथ ..भोले नाथ... साथ ही हमें जिंदा रहने दे ए मुरली वाले.... भजन ने उमंग भर दी, युवा गायक सिद्धार्थ नागदा ने अपनी मधुर आवाज में कन्हैया तेरी मुरली ने दीवाना कर दिया.... रंग मत डाले रे सांवरिया मारो गुर्जर मारे रे रंग मत डारे रे...ने में तो तेरे संग होली खेलूंगी की शानदार प्रस्तुति दी। अरुण झंवर ने बालाजी को याद करते हुवे सालासर मंदिर में हनुमान विराजे रे खूब सूरत भजन की प्रस्तुति दी। हरीश ग्रोवर ने आजा आजा रे कन्हाई तेरी याद आई... अपनी निराली आवाज से भजन संध्या में रंग जमा दिया। सुनील शर्मा ने कीर्तन की हे रात बना आज थाने आणो हे आजा रे बाबा श्याम व सांवरिया सेठ दे दे थारो भरियो भंडार....थाने भजना सु रिझाने हे.... गाते हुवे श्रोताओं में भक्ति का रंग भर दिया। कैलाश जोशी ने राधे राधे बोल श्याम आयेंगे श्याम आयेंगे... की हाजरी लगाई। अर्पित शर्मा ने मां अम्बे का सुंदर भजन मारे हेले तो हेला सुन री मारी मां सोना रा झांझर बजना .. मां के इस भजन पर महिलाएं मां की आराधना में नृत्य करती रही।ख्यात भजन गायक पंकज तिवारी ने मुरली वाले हर दरबार मने भावे....साथ ही काली कमली वाला मेरा यार हे मेरे मन का मोहन दिलदार हे तू मेरा यार हे दिलदार हे के साथ ही कई भजनों की प्रस्तुति ने माहौल को कृष्ण की भक्ति में रंग दिया। भजन संध्या का समापन चारभुजा जी की लावणी के साथ हुवा बसेर परिवार के हर गोविंद बसेर ने सभी भजन गायकों सहित श्रोताओं का आभार माना।

हमारा अचेतन मन आज भी परतंत्रता की कैद में है-पंचारिया

श्री भीमाशंकर महादेव मंदिर पर स्वतंत्रता एवं हमारा अज्ञात भीरूपन विषय पर परिचर्चा सम्पन्न

मंदसौर, 16 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। चैतन्य व्यक्ति और चैतन्य अंतर्मन ही एक स्वतंत्र, निर्भय व निर्विकार जीवन जी सकता है। वैसे तो हम राजनीतिक रूप से स्वतंत्र हो गए हैं किंतु हमारे अचेतन मन में पीढ़ी दर पीढ़ी एक हजार वर्ष की परतंत्रता के कारण गुलामी मानसिकता का भाव बहुत गहराई से बैठ गया है और उपर से विडम्बना यह है कि हम उसे समझ ही नहीं पा रहे हैं। यही हमारे विकास में सबसे बड़ी बाधा है।

उक्त विचार अनुराग संस्था के संस्थापक गोपालकृष्ण पंचारिया ने व्यक्त किए। वे बड़ी होली, किला रोड स्थित प्राचीन श्री भीमाशंकर महादेव मंदिर पर राष्ट्र व सनातन जागरण अभियान के अंतर्गत अनुराग संस्था व ब्रह्म परिषद के संयुक्त आयोजन में 'स्वतंत्रता एवं हमारा अज्ञात भीरूपन' विषय पर अपने विचार रख रहे थे। विषय को विस्तार देते हुए पंचारिया ने कहा कि इस परतंत्रता के भाव के कारण हमारे हृदय में एक अज्ञात भीरूपन घर कर गया है। जिसके कारण प्रत्येक परिवार को आर्थिक व सामाजिक रूप से बहुत बड़ा नुकसान उठाना पड़ रहा है। इस विषय पर हमारे धर्माचार्यों, साधु संतों, प्रवचनकारों व बुद्धिजीवियों को खुलकर चर्चा करना चाहिए ताकि हम इस अज्ञात भीरूपन से निकलकर एक स्वाभिमानी व वास्तविक रूप से स्वतंत्र जीवन जी सकें। स्वयं को समर्थ बनाकर विकसित भारत बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वाह कर सकें। परिचर्चा में अपने विचार रखते हुए सुरेशचंद्र राठौर ने कहा कि हमारे उपर परतंत्रता का प्रभाव इतना गहरा है कि उसने हमारी सोचने की क्षमता को ही कुंद कर दिया है। हम भीड़ तंत्र, दिखावा व देखा - देखी के चक्रव्यूह में हम बुरी तरह से फंस चुके हैं और इसका हमारे मानसिक तनाव व हमारी आर्थिक स्थिति पर बहुत बुरा प्रभाव पड़ रहा है। हम किसी समारोह में इस डर से जाते हैं कि मैं नहीं जाऊंगा तो मेरे यहां कौन आएगा। यही हमारा अज्ञात भीरूपन है। जबकि हमें श्रद्धा भावना के साथ जाना चाहिए।

इस अवसर पर अनिल चंद्रावत ने बताया कि हम 'लोग क्या कहेंगे' इसी बात से डरे हुए रहते हैं। आपके यहां समारोह में एक हजार व्यक्ति आए या पांच हजार, वह समारोह ही कहलाएगा और यदि आपके यहां सौ या पचास व्यक्ति भी आएंगे तब भी वह समारोह ही कहलाएगा। आपके यहां आयोजन में बड़ी संख्या के कारण आपको कोई बड़ा सम्मान या कोई बड़ा पुरस्कार नहीं मिल जाता है लेकिन हां आप एक बहुत बड़ी आर्थिक व मानसिक तनाव से राहत अवश्य अनुभव करेंगे एवं आपको अपने जीवन में इस अनावश्यक दिखावे के दबाव में आकर अधिक भागदौड़ व अधिक धन कमाने के चक्कर में गलत मार्ग नहीं अपनाना पड़ेगा। आप एक बहुत ही शांत, सुखद व आनन्दमय जीवन जी पाएंगे।

टीबी के लक्षण होने पर नि:संकोच जांच और इलाज करवाए

मंदसौर, 16 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। टीबी मुक्त भारत अभियान अंतर्गत टीबी मुक्त रथ ने ग्राम झिरकन एवं ग्राम बड़वन में भ्रमण किया। स्वास्थ्य विभाग मंदसौर ने टीबी के बारे में जागरूक किया। टीबी से कैसे बचा जाए एवं टीबी के क्या लक्षण है, इसकी जानकारी दी गई। चलने में सांस भरना, लगातार खांसी आना, भूख नहीं लगना, वजन कम होना, रात को पसीना आना जैसे टीबी के सामान्य लक्षण हो सकते हैं। सभी ग्रामवासी एक्स-रे करवाए। निशुल्क एक्सरे किया जा रहे हैं। अगर मरीज टीबी पॉजिटिव आते हैं तो आपको 6 माह तक दवाई लेना है, दवाई में कोई गैप नहीं करना। टीबी का पेशेंट दवाई लेने पर ठीक हो जाता है। टीबी कोई घातक बीमारी नहीं है। अगर जांच में मालूम पड़ गया है की आपको टीबी है तो दवाई जरूर लेना चाहिए। दवाई का नियमित उपयोग करने से व्यक्ति पूर्ण स्वस्थ हो जाता है।

नगर में को-ऑपरेटिव सोसायटियों द्वारा रिजर्व बैंक के लाइसेंस के बिना की जा रही है बैंकिंग

30 से 35 प्रतिशत तक ब्याज की वसूली करके कर रहे सूदखोरी एक्ट का उल्लघन-तोमर

मंदसौर, 16 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। नगर में इन दिनों बड़ी संख्या में को-ऑपरेटिव सोसायटियों द्वारा बैंकिंग व्यवसाय किया जा रहा है। यह कार्य इन सोसायटियों द्वारा रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया के लायसेन्स के बिना किया जा रहा है। इसी प्रकार इन को-ऑपरेटिव सोसायटियों द्वारा दिए जा रहे ऋण पर 30 से 35 प्रतिशत ब्याज की वसूली कर मध्यप्रदेश सहकारिता अधिनियम व मध्यप्रदेश शासन के सूद खोरी विरोधी अभियान की खुलेआम धज्जियां उड़ाई जा रही है तथा गरीबों की जेब पर डाका डाला जा रहा है। इस मामले में शहर कांग्रेस कमेटी मन्दसौर अध्यक्ष एवं अभिभाषक डॉ राघवेन्द्र लसिंह तोमर ने मन्दसौर कलेक्टर अदिति गर्ग व पुलिस अधीक्षक अभिषेक आनंद को पत्र लिखकर कार्यवाही की मांग की है।

यह जानकारी देते हुए शहर कांग्रेस अध्यक्ष एवं अभिभाषक डॉ तोमर ने बताया कि को-ऑपरेटिव सोसायटियों की सूदखोरी से कई परिवारों की स्थिति दयनीय हो गई है, कई आत्म हत्या तक कर चुके है। कई को-ऑपरेटिव सोसायटियों द्वारा नागरिकों के करोड़ों रुपए लेकर भाग जाने के मामले भी मंदसौर में सामने आए है। शहर कांग्रेस अध्यक्ष डॉ राघवेंद्रसिंह तोमर ने बताया कि इस सम्बंध में पूर्व में भी कई बार उनके द्वारा कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक को पत्र लिखकर कार्यवाही की मांग की गई पर जिम्मेदारों द्वारा ठोस कार्यवाही नहीं करने पर ऐसे मामले बढते जा रहे है एवं सोसायटियों की आड़ में सूद खोरी का धंधा फल फूल रहा है। डॉ तोमर ने बताया कि को-ऑपरेटिव सोसायटियों द्वारा बैंकिंग व ब्याजखोरी का व्यवसाय अवैधानिक रूप से किया जा रहा है। मध्यप्रदेश में जब कांग्रेस सरकार थी तब सहकारिता मंत्री डॉ गोविंदसिंह जी ने डॉ राघवेंद्रसिंह तोमर के पत्र पर मन्दसौर की को-ऑपरेटिव सोसायटियों के विरुद्ध जांच के आदेश दिए थे और जांच शुरू भी की गई थी लेकिन सरकार बदलते ही जांच का कोई परिणाम नहीं आया। डॉ तोमर ने कहा कि अगर समय रहते अब कार्यवाही नहीं हुई तो जल्द पीड़ित लोगों के साथ मिलकर ऐसी संस्थाओं के खिलाफ जन आन्दोलन किया जाएगा।

केंद्रीय बजट संपूर्ण भारत के समग्र विकास की परिकल्पना को साकार करेगा-सांसद

मंदसौर, 16 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। प्रदेश भाजपा के निर्देशानुसार आज जिला भाजपा कार्यालय मंदसौर पर केन्द्रीय बजट 2025-26 के प्रमुख बिंदुओं को लेकर क्षेत्र के सांसद सुधीर गुप्ता ने भाजपा जिलाध्यक्ष राजेश दीक्षित, पूर्व जिला अध्यक्ष मानसिंह मच्छोपुरिया, भाजपा नेता हिम्मत डांगी, जिला मीडिया प्रभारी निलेश जैन, सह मीडिया प्रभारी विनय धनगर की उपस्थिति में प्रेस वार्ता को संबोधित किया। प्रारंभ में भाजपा जिलाध्यक्ष राजेश दीक्षित ने प्रेस वार्ता में पधारे समस्त पत्रकार बंधुओं का शब्दो के माध्यम से स्वागत अभिनंदन करते हुए कहा कि आज प्रदेश के समस्त जिलों के साथ मंदसौर जिले में भी आप सभी के सहयोग से प्रेसवार्ता आयोजित की जा रही है।

प्रेसवार्ता के माध्यम से केन्द्रीय बजट पर बिंदुवार चर्चा करते हुए सांसद सुधीर गुप्ता ने बताया की कुछ नया और बड़ा सोचना प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के स्वभाव की विशेषता है। उन्होंने 2047 तक भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाने का संकल्प लिया है, लेकिन विकसित राष्ट्र के कई मापदंड होते हैं। केंद्र सरकार का बजट इन सभी मापदंडों पर देश को आगे बढ़ाने वाला बजट है। केंद्रीय बजट के हर प्रावधान का लाभ मध्यप्रदेश के लोगों को मिलेगा, जिससे तरक्की के नए द्वार खुलेंगे। मध्यप्रदेश की तीन नदी जोड़ो परियोजना के लिए दो लाख करोड़ मिलेंगे, इससे हर खेत को सिंचाई के लिए पानी और हर घर को नल से जल उपलब्ध कराया जा सकेगा। लघु, सूक्ष्म एवं मध्यम उद्यम उद्योगों के लिए पांच करोड़ के ऋण को बढ़ाकर दस करोड़ तक का ऋण देने का प्रावधान करने से मध्यप्रदेश में निवेश बढ़ेगा और रोजगार के अवसर भी सृजित होंगे। एयर कार्गो से उद्योगों को बढ़ावा मिलने के साथ प्रदेश तेजी से तरक्की करेगा और रोजगार भी बढ़ेगा।

ज्ञान पर केंद्रित है, मोदी सरकार का नया बजट-सांसद सुधीर गुप्ता ने कहा कि 2014 में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व वाली केंद्र में सरकार बनी थी। उस समय केंद्र सरकार का बजट करीब 16 लाख करोड़ का था। इस साल का बजट करीब 50 लाख करोड़ का है, जो 2013-14 की तुलना में तीन गुना से अधिक है। जिस तेजी के साथ हमारे बजट का आकार बढ़ा है, वो ये दिखाता है कि भारत की अर्थव्यवस्था बीते एक दशक में कितनी तेजी से आगे बढ़ी है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी अक्सर चार जातियों गरीब, युवा, अन्नदाता और नारी शक्ति के कल्याण की बात करते हैं और बजट इसी ज्ञान पर केंद्रित है।

सशक्त हो रहीं नारीशक्ति-सांसद सुधीर गुप्ता ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में केन्द्र सरकार ने बीते सालों में महिलाओं के सशक्तीकरण के लिए जो कदम उठाए हैं, उनके चलते महिलाएं लगातार सशक्त और सक्षम बन रही हैं। महिलाओं के रोजगार, स्वास्थ्य और पोषण से संबंधित योजनाओं के लिए 12.5 हजार करोड़ का प्रावधान बजट में किया गया है। आशा और आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को आयुष्मान योजना का लाभ दिया जा रहा है। उज्ज्वला योजना में 10.33 करोड़ महिलाओं को गैस सिलेंडर उपलब्ध कराए गए हैं और इस योजना के सब्सिडी के लिए बजट में प्रावधान किया गया है। देश में 91 लाख स्वसहायता समूह हैं, जिनसे जुड़कर 10 करोड़ से अधिक महिलाएं लाभान्वित हो रही हैं। स्व सहायता समूह, ड्रोन दीदी और लखपति दीदी जैसी योजनाएं महिला सशक्तीकरण में बड़ी भूमिका निभाएंगी।

दो साल में 40 मेडिकल कॉलेज हो जाएंगे, दाल उत्पादन को बढ़ावा देने से खुशहाल होंगे किसान- डे-केयर सेंटर ,पीएम स्व-निधि योजना में रेहड़ी-पटरी वालों को 30 हजार का कर्ज मिलेगा, उनकी कमाई बढ़ेगी। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी की बताई चार जातियों गरीब, युवा, अन्नदाता और नारी शक्ति के लिए मध्यप्रदेश सरकार भी लगातार योजनाएं बनाकर कार्य कर रही है। युवाओं और नारी सशक्तिकरण के लिए मध्यप्रदेश सरकार मिशन चलाकर कार्य कर रही है। किसानों के लिए भी नीति आएगी। युवाओं और महिलाओं की तरह किसानों के लिए भी एक सप्ताह के अंदर मिशन शुरू किया जाएगा। यह बजट मध्यप्रदेश के विकास को गति देने के साथ हर क्षेत्र में विकास की राह प्रशस्त करेगा।

विकसित भारत के अटल संकल्प को पूरा करने वाला है यह बजट-सांसद सुधीर गुप्ता ने कहा कि केंद्रीय बजट ऐतिहासिक और आम जनता को खुश करने वाला और विकसित भारत के अटल संकल्प की आकांक्षाओं को पूरा करने वाला बजट है। देश की अर्थव्यवस्था के नये आयाम को स्वरूप देगा। बजट प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के 2047 के विकसित भारत के संकल्प को पूरा करने वाला बजट है। केंद्रीय बजट संपूर्ण भारत के समग्र विकास की परिकल्पना को साकार करने वाला है।

सर्प मित्र को सांप ने...

पेज 1 से जारी

सफलापूर्वक सांप को पकड़ कर एक बैग में डाला, तो बैग के मुंह को ढीला बांध दिया था। जिससे मौका पाकर सांप ने अचानक मुंह बाहर निकालकर सुरेश को काट लिया। हालांकि, सर्प मित्र यादव ने सांप के काटने के बाद भी हिम्मत नहीं हारी, तत्काल वह खुद बाइक पर सवार होकर बड़े अस्पताल पहुंच गया था। डॉक्टरों ने इलाज कर उसे बचाने का प्रयास किया। लेकिन, उसने दम तोड़ दिया। मृतक सर्प मित्र सुरेश का रविवार को पोस्टमॉर्टम किया गया, जिसके बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया है। पुलिस ने मामले में मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है।

सांसद गुप्ता ने कृषि विज्ञान केंद्र मंदसौर का निरीक्षण किया

मंदसौर, 16 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। आज दिनांक 16 फरवरी 2025 को कृषि विज्ञानकेंद्र, मंदसौर के पाटन प्रक्षेत्र पर कृषि तकनीकी सप्ताह कार्यक्रम के तहत य सांसद श्री सुधीर गुप्ता के द्वारा निरीक्षण कियागया।निरीक्षण के दौरान डॉ. जी.एस. चुंडावत, वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख ने फसल प्रदर्शन इकाई में प्रदर्शित विभिन्न फसलों की 64 किस्मों की विशेषताओं, केंचुआ खादइकाई, अजोला इकाई, प्राकृतिक खेती इकाई, पशुपालन इकाई,प्रजनन बीज उत्पादन कार्यक्रम के बारे में तकनीकी जानकारी प्रदान की।सांसद ने विशेष रूप से कीट प्रबंधन हेतु लगाए गए प्रकाश प्रपंच, फेरोमोन ट्रैप, पीला एवंनीला चिपचिपा ट्रैप के बारे में गहराई सेजाना एवं उनके उपयोग को बढ़ावा देने हेतु निर्देशित किया। सांसद ने अवलोकन केदौरान उपस्थित कृषक भाइयों एवं कृषि व्यापारियों को भी उन्नत तकनीकी से खेती करकृषि को और अधिक लाभकारी बनाना हेतु अपील की, साथ ही साथ देसीगायों का खेती में महत्व के बारे में बताया। भ्रमण के दोरान कृषि विज्ञान केंद्रके श्री राकेश अस्के भी उपस्थित थे।

उठावना

अत्यंत दुख के साथ सूचित करने में आता है की मेरी धर्मपत्नी राजेंद्र,महेश की छोटी माताजी, आशीष (पत्रकार), अंकुश की माताजी, रवि, कपिल, नवकार, जेनम की दादीजी श्री मति शकुन्तला चावड़ा का श्री जी शरण 16 फरवरी रविवार को हो गया है जिनका उठवाना आज दिनांक 17 फरवरी सोमवार को सुबह 10.15 बजे बड़ा चौक, जनकुपुरा पर रखा गया है।

✻✻✻ शोकाकुल ✻✻✻
ओमप्रकाश चावड़ा
जनकूपुरा, बड़ाचौक, मंदसौर

सेल्समेन की आवश्यकता

✻ अनुभवी पुरुष/महिला सेल्समेन की आवश्यकता है। ✻ अनुभवी मोबाईल रिपेरिंग वाले की आवश्यकता है।
✻ वेतन 5 अंको में ✻ योग्यता को प्राथमिकता
✻✻✻✻✻✻✻ संपर्क ✻✻✻✻✻✻✻
प्रदीप मोबाईल
दया मंदिर रोड़ मंदसौर
मोबाईल- 9893100778, 8319811988

आप भले ही आज हमसे दूर चले गए,
परन्तु हमारे दिलों में आज भी जिंदा है।
आप की पुण्यतिथि तिथि पर शत् शत् नमन।

प्रथम पुण्य स्मरण
स्व. किरण जी जैन
(पति स्व. धीरज जी जैन)
-: श्रद्धानवत :-
अनिल - निर्मला जैन
विनम्रता, जागृति, नकुल जैन
दशपुर दर्शन परिवार, मंदसौर

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, प्रकाशक, मुद्रक आशुतोष नवाल के लिए गुरु मीड्यिा एण्ड इंटरटेनमेन्ट कम्पनी, शक्ति नगर मन्दसौर से मुद्रित एवं 77 लक्ष्मीनगर, वेदान्त विहार मन्दसौर से प्रकाशित। (हर प्रकार के विवाद का न्याय क्षेत्र मन्दसौर रहेगा) संपादक- आशुतोष नवाल RNI-MPHIN2006/20356
समाचार पत्र में छपे विज्ञापनों के लिए समाचार पत्र उत्तरादायी नहीं है एवं विज्ञापनो में प्रकाशित विचार विज्ञापनदाता की निजी राय है। इससे समाचार पत्र का कोई संबंध नहीं है। फोन 313880, मो. 9425105927,28 ashugurumds@gmail.com, ashu_guru2@yahoo.co.in